दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

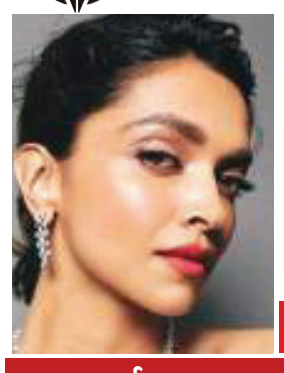

अमन लेखनी

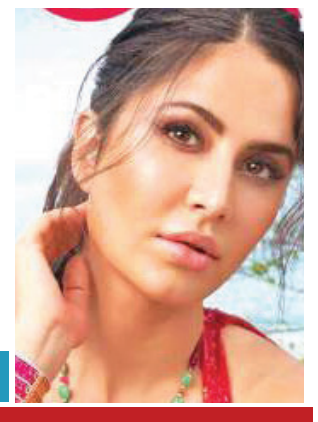

प्रकृति के करीब रहने के बताए फायदे....

कैटरीना जर्मनी की वादियों का ले रही हैं आनन्द

वर्ष : 10 | अंक : 212 | लखनऊ, 12 जुलाई, शुक्रवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित जनपद श्रावस्ती का भ्रमण किया

प्रदेश के 12 जनपद बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहे, 33 तहसीलों के 633 गांवों की 17 लाख 97 हजार की आबादी प्रभावित

●बाढ़ के दौरान रेस्क्यू किये गये लोगों से भेंटकर उनकी कुशलक्षेम ली

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बाढ़ प्रभावित जनपद श्रावस्ती का भ्रमण किया। उन्होंने तहसील भिनगा के राप्ती बैराज पहुंचकर विगत 06 जुलाई को बाढ़ के दौरान रेस्क्यू किये गये 11 लोगों से भेंटकर उनकी कुशलक्षेम ली। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को श्रमिकों के बाढ़ में फंसे होने की जानकारी देने वाली श्रीमती रेखा देवी, पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट के जवानों के पथ प्रदर्शन का कार्य करने वाले गाइड श्री राम उजागर तथा पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट के जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को टॉफी व बिस्कुट प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने आपदा से मृत हुए लोगों के परिजनों को 04-04 लाख रुपये की राहत राशि का डेमो चेक प्रदान किया। उन्होंने 10 बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री प्रदान की तथा उनका कुशलक्षेम जाना।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विगत 06 और 07 जुलाई को नेपाल व उत्तराखण्ड में अचानक हुई भारी बरसात के कारण जल प्लावन की स्थिति पैदा हुई। इस क्षेत्र में राप्ती तथा सरयू नदी में अगस्त या सितम्बर माह में बाढ़ देखने को मिलती थी। पहली बार जुलाई के प्रथम सप्ताह में बाढ़ देखने को मिली। इससे न केवल तैयारियां प्रभावित हुईं, बल्कि तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामने भी अनेक संकट खड़े हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राप्ती नदी में अचानक पानी आने से 11 लोग एक टापू पर फंस गए थे। इन लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोकर मोबाइल से आपातकालीन नम्बर पर कॉल की। पी0ए0सी0 के बहादुर जवानों ने उन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, इनमें 05 बच्चे तथा 06 महिलाएं सम्मिलित हैं। आज यहां प्रदेश सरकार द्वारा सूचना देने वाली महिला तथा पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट के पथ प्रदर्शन का कार्य करने वाले पुरुष को सम्मानित किया गया है। अंधेरे के बावजूद

स्वयं की परवाह किए बिना 11 लोगों की जान बचाने वाले जवानों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किये गये हैं। इस अभियान से जुड़े सभी जवानों को विशेष पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। सूचना देने वाली महिला तथा पुरुष के लिए भी नकद पुरस्कार की घोषणा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश सरकार द्वारा आपदा के कारण कहीं कोई जनहानि होने पर पीड़ित परिवार को तत्काल 04 लाख रुपये की राहत राशि प्रदान करने की व्यवस्था बनाई गई थी। मानव वन्य जीव संघर्ष तथा सर्पदंश से जनहानि होने पर भी पीड़ित परिवार को 04 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। अचानक आयी बाढ़ के कारण अपने परिवारजनों को खोने वाले 04 पीड़ित परिवारों को भी आज यहां 04-04 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इन पीड़ित परिवारों के प्रति केंद्र व राज्य सरकार की पूरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आकाशीय बिजली से किसी किसान, बटाईदार अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष अथवा कृषक दुर्घटना बीमा योजना से सहायता राशि उपलब्ध कराकर उन्हें सम्बल प्रदान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से बचाव के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अनेक उपाय किए गए हैं। जहां पर नदी की क्षमता केवल 30 हजार क्यूसेक लीटर जल वहन करने की हो, लेकिन यदि उसमें अचानक 03 लाख क्यूसेक लीटर जल प्रवाह हो जाए तो सभी तैयारियां धरी रह जाती हैं। जब नेपाल में अत्यधिक बरसात होने पर वहां डैम के सभी फाटक तथा रेगुलेटर खोल दिए गए, तो अचानक जलप्रवाह से सभी नदियां जल प्लावित हो गईं। राप्ती तथा सरयू के साथ-साथ शारदा नदी में भी यह स्थिति देखी गई। जनपद लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में भी सैकड़ों गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 12 जनपद बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहे हैं। बाढ़ से प्रदेश की 33 तहसीलों के 633 गांवों की 17 लाख 97 हजार की आबादी प्रभावित हुई है। जल प्लावन से 18 हजार से अधिक पशु भी प्रभावित हुए हैं। 01 लाख 45 हजार हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि भी बाढ़ की चपेट में आयी है। बाढ़ को देखते हुए सभी प्रभावित क्षेत्रों में एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट्स की तैनाती के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर नौकाओं की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 923 बाढ़ चौकियां तथा 1033 बाढ़ शरणालयों की स्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से जनपद श्रावस्ती में 116 गांव पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। 15 गांवों में कटान की स्थिति है। 76 हजार की आबादी इससे प्रभावित हुई है। 23 हजार 500 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि बाढ़ की चपेट में आई है। जनपद में 04 जनहानि हुई हैं। यहां पर बचाव और राहत कार्य के लिए एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0 आर0एफ0 तथा पी0ए0सी0 की फ्लड यूनिट्स की तैनाती की गई है, जो मोटर बोट की सहायता से बचाव कार्य कर रहे हैं। नौकाओं की व्यवस्था भी की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बाढ़ की चपेट में आने वाले व्यक्तियों के लिए राहत पैकेट की व्यवस्था की गई है। आज यहां बाढ़ प्रभावितों को राहत पैकेट वितरित किए गए हैं। इनमें एक पैकेट में 05 किलो लाई, 02 किलो भुना चना, 01 किलो गुड़, 10 पैकेट बिस्कुट, एक पैकेट माचिस, एक पैकेट मोमबत्ती, दो नहाने के साबुन, 20 लीटर का एक जरीकेन पेयजल हेतु, 01 तिरपाल तथा द्वितीय पैकेट में 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 02 किलो अरहर की दाल, 10 किलो आलू, हल्दी, मिर्च, मसाला, सरसों का तेल 01 लीटर तथा 01 किलो नमक उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार औसत से अधिक बरसात होने की सम्भावना है। इसके लिए पहले से ही हमारी तैयारी होनी चाहिए।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,077/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 75,410.39

निफ्टी 22,957.10

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया, विस्तारा के विलय से 600 कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, एयर इंडिया और विस्तारा के विलय से दोनों एयरलाइंस के करीब 600 कर्मचारियों पर असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, उन्हें टाटा समूह और एयर इंडिया समूह के भीतर अन्य इकाइयों में रोजगार देने की कोशिशें की जाएंगी। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। घाटे में चल रही इन दोनों एयरलाइन कंपनियों का स्वामित्व टाटा समूह के पास है। इनके कर्मचारियों की संख्या कुल मिलाकर 23,000 से अधिक है। टाटा समूह अपने विमानन कारोबार को दुरुस्त करने के लिए अपनी एयरलाइंस के विलय की योजना पर काम रहा है। विलय योजना से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई-को बताया कि एयर इंडिया और विस्तारा के विलय से इनके करीब 600 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। ये कर्मचारी गैर-विमानन गतिविधियों से संबंधित कार्यों से जुड़े हैं। सूत्रों ने कहा कि विलय प्रक्रिया से प्रभावित होने वाले इन कर्मचारियों को एयर इंडिया के साथ टाटा समूह की अन्य कंपनियों में रोजगार दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। किसी भी समूह में समायोजित न हो पाने वाले कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक अलगाव योजना पैकेज लाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, विलय की प्रक्रिया सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरूआत में पूरा होने की उम्मीद है। यह प्रक्रिया पूरी होने पर ही प्रभावित कर्मचारियों की सही संख्या का अंदाजा मिल पाएगा। इस संबंध में एयर इंडिया की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विलय प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए कवायद पिछले कुछ महीनों से चल रही है। इस दौरान एयरलाइंस के कर्मचारियों को उनके पिछले अनुभव, प्रदर्शन और अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए चयनित किया जा रहा है।

पीएम मोदी का रूस-ऑस्ट्रिया दौरा हुआ पूरा, लौटे दिल्ली

● दोनों देशों से मजबूत संबंध बनाने में मिली सफलता

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस और ऑस्ट्रिया की अपनी यात्रा संपन्न कर बुधवार को स्वदेश के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन और चांसलर कार्ल नेहमर से मुलाकात की तथा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने वियना में भारतीय प्रवासी समुदाय के लोगों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया की सफल यात्रा के बाद नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों नेताओं के साथ यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति सहित विश्व में चल रहे विवादों पर भी चर्चा की।

बिना रीति रिवाज के हिन्दू विवाह अमान्य : इलाहाबाद हाईकोर्ट

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

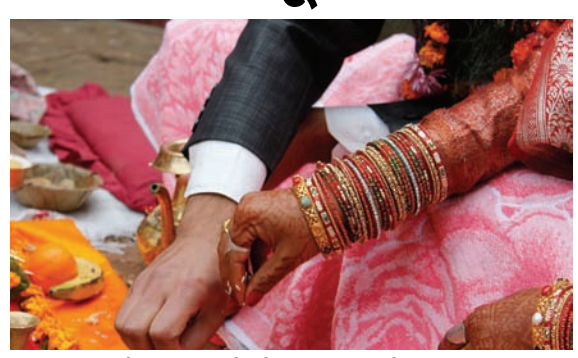

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हिन्दू विवाह से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि हिंदू व्यक्ति के विवाह में हिंदू रीतियां अपनाया जाना आवश्यक है, यदि ऐसा नहीं हुआ है तो रजिस्ट्रार द्वारा जारी विवाह प्रमाणपत्र अथवा आर्य समाज मंदिर द्वारा जारी प्रमाण पत्र का कोई महत्व नहीं रह जाता। यह कहते हुए जस्टिस राजन राय व जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने 39 साल के एक कथित धर्मगुरु द्वारा धोखाधड़ी कर 18 वर्षीय लड़की से किए गए कथित विवाह को शून्य घोषित कर दिया है। यह निर्णय जस्टिस राजन राय व जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने युवती की ओर से दाखिल प्रथम अपील को मंजूर करते हुए पारित किया है।

गौरतलब हो, युवती ने अपील में पारिवारिक न्यायालय, लखनऊ के 29 अगस्त 2023 के निर्णय को चुनौती दी थी। युवती ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 के तहत परिवार न्यायालय के सामने वाद दाखिल करते हुए पांच जुलाई 2009 को हुए कथित विवाह को शून्य घोषित किए जाने की मांग की थी। वहीं प्रतिवादी कथित धर्मगुरु ने भी धारा 9 के तहत वाद दाखिल कर वैवाहिक अधिकारों के पुनर्स्थापना की मांग उठाई थी। पारिवारिक न्यायालय ने दोनों वादों पर एक साथ सुनवाई करते हुए युवती के वाद को निरस्त कर दिया था जबकि प्रतिवादी धर्मगुरु के वाद को मंजूर कर लिया। पारिवारिक न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में युवती की ओर से दलील दी गई कि प्रतिवादी धर्मगुरु है। युवती की मां व मौसी उसकी अनुयायी थीं। पांच जुलाई 2009 को उसने अपीलार्थी व उसकी मां को अपने यहां बुलाया व कुछ दस्तावेजों पर यह कहते हुए दोनों के हस्ताक्षर करवाए कि वह उन्हें अपने धार्मिक संस्थान का नियमित सदस्य बनाना चाहता है। इसके पश्चात तीन अगस्त 2009 को भी उसने सेल डीड में गवाह बनने के नाम पर रजिस्ट्रार ऑफिस बुलाकर दोनों के हस्ताक्षर करवा लिए। कुछ दिनों बाद उसने अपीलार्थी के पिता को सूचना दी कि पांच जुलाई 2009 को उसका आर्य समाज मंदिर में अपीलार्थी से विवाह हो गया है व तीन अगस्त 2009 को पंजीकरण भी हो चुका है।

हाईकोर्ट की बेंच के विद्वान न्यायाधीशों ने कहा कि सभी दस्तावेज धोखाधड़ी कर के बनवाए गए। अपील का प्रतिवादी धर्मगुरु की ओर से विरोध किया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के पश्चात हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विवाह को सिद्ध करने का भार प्रतिवादी धर्मगुरु पर था, परंतु वह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा-7 के तहत हिंदू रीति से विवाह होना सिद्ध नहीं कर सका जिस कारण विवाह संपन्न होना नहीं माना जा सकता।

मणिपुर आज भी बंटा हुआ है, पीएम राज्य का दौरा कर शांति की अपील करें : राहुल गांधी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की स्थिति में आज भी सुधार नहीं हुआ है और वह दो टुकड़ों में बंटा हुआ है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य का दौरा कर लोगों की तकलीफ सुननी चाहिए और शांति की अपील करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दल मणिपुर में शांति की जरूरत को संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाकर, सरकार पर इस त्रासदी को खत्म करने का दबाव बनाएंगे। राहुल गांधी ने गत सोमवार को मणिपुर का दौरा कर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की थी। उन्होंने अपने इस दौरे का एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र में मणिपुर का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने वीडियो साझा करते हुए पोस्ट किया, मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद, मैं तीसरी बार यहां आ चुका हूं, मगर अफसोस स्थिति में कोई सुधार नहीं है - आज भी प्रदेश दो टुकड़ों में बंटा हुआ है। घर जल रहे हैं, मासूम ज़िंदगियां खतरे में हैं और हजारों परिवार राहत शिविर में जीवन काटने पर मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को खुद मणिपुर आ कर प्रदेशवासियों की तकलीफ सुनने के साथ ही शांति की अपील करनी चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा, कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन मणिपुर में शांति की जरूरत को संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाकर, सरकार पर इस त्रासदी को खत्म करने का दबाव बनाएंगे। वीडियो के मुताबिक, जब राहल गांधी ने महिलाओं के एक समूह के समक्ष सवाल किया कि हिंसा क्यों शुरू हुई तो उन्होंने कहा कि गहतफहमी के कारण शुरू हुई और हिंसा से किसी का फायदा नहीं है।

छत्तीसगढ़ के विकास की गति को तेज करने के लिए केंद्र द्वारा दिए गए धन का पूरा उपयोग करें: खट्टर

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

रायपुर। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को छत्तीसगढ़ सरकार को सलाह दी कि वह राज्य में विकास की गति को तेज करने के लिए केंद्र द्वारा दिए गए धन का पूरा और समय पर उपयोग करे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ में ऊर्जा तथा शहरी आवास और जनसुविधाएं विकसित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में कहा कि राज्य और केंद्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बिजली और आवास से संबंधित सभी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने नेता कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक सुधारवादी कदम उठाए जा रहे हैं और जनआकांक्षाओं के अनुरूप काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को सस्ती और पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनेक अनुदान योजनाएं संचालित की जा रही है तथा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भी कई योजनाएं हैं। खट्टर ने राज्य सरकार को भारत सरकार द्वारा दी जा रही सभी निधियों और अनुदानों का पूर्ण उपयोग करने को कहा।

अमित शाह से मिले सुवेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल में महिला सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति से कराया अवगत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले राज्य में महिला सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति पर जोर दिया। वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक बैठक की जिसके दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल के चोपड़ा, कूच बिहार, अरियादाहा में महिलाओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों की दुखद घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की गई एक पोस्ट में, बंगाल भाजपा नेता ने कहा कि आज गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की हिंसा पर चर्चा हुई। भाजपा नेता ने बताया कि मैं केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह को आज नई दिल्ली में अपने आवास पर 45 मिनट का समय देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में फैली 'भीड़ हिंसा' और चोपड़ा में टीएमसी नेता तजीमुल उर्फ जेसीबी और कमरहाटी-अरियादाहा में जयंत सिंह द्वारा महिलाओं पर किए गए अत्याचारों के बारे में धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने चुनाव के बाद की हिंसा के पीड़ितों के बारे में पूछताछ की और हिंसा को कम करने के संबंध में पूरा समर्थन दिया। वहीं, टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले के अरियाधा में भीड़ के हमले की हालिया घटना पर राज्य को कथित रूप से बदनाम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मीडिया के एक वर्ग की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दो साल पुरानी घटना, जिसका एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ था, तब हुई थी जब अर्जुन सिंह बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद थे।

कर्नाटक पर 14,000 करोड़ रुपये के फंड के दुरुपयोग का आरोप

एनसीएससी ने बताया संविधान के खिलाफ

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कर्नाटक सरकार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण योजनाओं से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि को अन्य उद्देश्यों के लिए खर्च करने का आरोप लगाया है। मकवाना ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए दिए गए फंड का दुरुपयोग किया है। फंड को किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। यह संविधान के खिलाफ है। हम चाहते हैं कि इस धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए किया जाए। हमने कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी किया है और सात दिनों के भीतर उनका जवाब मांगा है।

एनसीएससी ने कर्नाटक सरकार को इस आरोप पर नोटिस जारी किया है कि वह अपनी पांच गारंटी योजनाओं को पूरा करने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण योजनाओं से धन निकाल रही है। कर्नाटक सरकार को यह नोटिस उस मीडिया रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें दक्षिणी राज्य में अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) और जनजातीय उपयोजना (टीएसपी) निधि के दुरुपयोग का दावा किया गया था। कर्नाटक के मुख्य सचिव को अपने नोटिस में, एनसीएससी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कर्नाटक सरकार ने ₹पांच गारंटी योजनाओं₹ के रूप में जानी जाने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए मूल रूप से एससीएसपी और टीएसपी के तहत निर्धारित 14,730 करोड़ रुपये को फिर से आवंटित करने का फैसला किया है।

आयोग ने एससी/एसटी समुदायों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देने में इन निधियों के महत्व को भी रेखांकित किया। इसके अलावा, एनसीएससी ने कहा कि कर्नाटक के मुख्य सचिव से एक व्यापक रिपोर्ट प्रदान करने की उम्मीद की जाती है, जिसमें फंड डायवर्जन के पीछे के तर्क को समझाया जाएगा और यह सुनिश्चित करने के उपायों की रूपरेखा दी जाएगी कि एससी/एसटी समुदायों के कल्याण से समझौता नहीं किया जाए। एनसीएससी के नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि सब कुछ कानून के मुताबिक किया जा रहा है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

संक्षेप

किसान की भूमि पर जबरन किया जा रहा कब्जा, किसान यूनियन ने दिया ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। किसान की जमीन हो रहे अवैध कब्जे को लेकर किसान यूनियन(अरा) लोकतांत्रिक द्वारा रहीमाबाद थाना क्षेत्र के भतोइया चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान किया है। अगर किसान की जमीन पर हो रहे कब्जे को जल्द नही रोका गया। तो किसान यूनियन द्वारा आगामी 16 जुलाई को विशाल धरने का ऐलान किया। रहीमाबाद थाना क्षेत्र भतोइया गांव के रहने वाले रणधीर पुत्र सुखदेव का आरोप है कि उनकी भूमि का बटवारे को लेकर मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन अनिरुद्ध आदि है।जिसके बाद भी विपक्षी अनिरुद्ध आदि व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मलिहाबाद मीनू वर्मा द्वारा आशिक भाग का एग्रीमेंट कराकर सत्ता के दबाव में जबरदस्ती कब्जा किया जा रहा। इसके बारे में मेरे द्वारा कई बार शासन प्रशासन को सूचना दी गई लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। सत्ता की हानक के आगे किसान की जमीन पर आवश्यक रूप से कब्जा किया जा रहा है।जिसको लेकर किसान यूनियन द्वारा आगामी मंगलवार को भतोइया में विशाल धरने का ऐलान किया गया है।

युवक ने फांसी के फंदे से लटक दी जान

लखनऊ , कृष्णा नगर कोतवाली के डीआरएम पुलिया कनौसी में किराये के मकान में रह रहा एक युवक कमरे में अंगौछे के सहारे फांसी का फंदा लगा अपनी जान दे दी दोस्त ने फंदे से लटका देख कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची कृष्णा नगर पुलिस ने युवक का शव फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है कृष्णा नगर कोतवाली इंस्पेक्टर पी के सिंह ने बताया कि मूलरूप से जनपद जौनपुर का रहने वाला सत्यम मिश्रा (26) पुत्र विजय मिश्रा अपने दो दोस्त मोनू यादव व मुकेश शुक्ला के साथ कनौसी में किराये पर रहकर निजी कंपनी में नौकरी करता थो दोनों दोस्त गाँव गए हुए थे मृतक अकेला ही थो बुधवार की दोपहर कमरे में अंगौछे के सहारे पंखे के हुँक से लटक अपनी जान दे दी गाँव से लौटे मित्र मुकेश ने फंदे से लटका देखा तो कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची कृष्णा नगर पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

यूपी में स्वास्थ्य विभाग सख्त.....

लंबे समय से ड्यूटी से गायब 17 चिकित्सा अधिकारी बर्खास्त, डिप्टी सीएम ने की कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बिना किसी सूचना के लंबे समय से ड्यूटी से गायब चल रहे 17 चिकित्साधिकारी गुरुवार को बर्खास्त कर दिए गए। प्रांतीय चिकित्सा सेवा (पीएमएस) संवर्ग के यह चिकित्सा अधिकारी लगातार नौकरी से गायब चल रहे थे।

ये चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की नोटिस का भी जवाब नहीं दे रहे थे।ऐसे में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर इन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।बीते ढाई वर्षों में 450 से अधिक डॉक्टर नौकरी से निकाले जा चुके हैं।

जो 17 चिकित्साधिकारी बर्खास्त हुए हैं, उनमें मथुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बलदेव के चिकित्साधिकारी डॉ. आनंद गोयल, सिद्धार्थनगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनकोला की डॉ. नेहा सिंह, बस्ती की पीएचसी जगदीशपुर की डॉ. निक्की, आजमगढ़ की पीएचसी जमीन फरेंदा की डॉ. ईशा सिंह, सिद्धार्थनगर की सीएचसी खेसरहा की डॉ. पारूल वर्मा, आगरा की पीएचसी होलीपुरा बाह की डॉ. कृतिका, आगरा की पीएचसी आहरण की डॉ. सुनाक्षी सेठ, सिद्धार्थनगर की पीएचसी बेतिया के डॉ. रजनीश चौधरी, बलिया की पीएचसी मुरली छपरा के डॉ. राहुल कुमार, बलिया के सीएमओ के अधीन डॉ. के जैन, जालौन की सीएचसी कालपी के डॉ. सत्येन्द्र पुरवार, मैनपुरी की सीएचसी बमटापुर की डॉ. अंजली वर्मा, मैनपुरी की सीएचसी औछा की डॉ. स्वाती कुशवाहा, मीरजापुर की सीएचसी मड़िहान के डॉ. अखलाक अहमद, बरेली की सीएचसी भोजीपुरा की डॉ. रूबी जायसवाल और फिरोजाबाद की सीएचसी जसराना की डॉ. सरिता पांडेय व सीएचसी हथौली जयसिंहपुर के चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष मगन शामिल हैं।

दरअसल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में कुल 19 हजार पदों में से 11,500 पद ही भरे हुए हैं।ऐसे में चिकित्सकों पर काम का दबाव अधिक है। वहीं चिकित्सकों को अच्छी सुविधाएं नहीं मिल रहीं।

विशेषज्ञ चिकित्सकों को सीधे लेवल टू में भर्ती करने की लुभावनी स्कीम भी डॉक्टरों को रास नहीं आ रही। वह प्राइवेट अस्पतालों में मोटे वेतन पर काम करने को ही तरजीह दे रहे हैं।

उधर, तीन डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई किए के भी निर्देश दिए हैं। इसमें जिला चिकित्सालय झांसी के डॉ. मुकुल मिश्रा, बाराबंकी की सीएचसी फतेहपुर की डॉ. माधवी सिंह और बरेली के मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में कार्यरत डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा शामिल हैं। इनके खिलाफ संबंधित मंडलीय अपर निदेशकों को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

माल थाना प्रभारी के निष्पक्ष कार्य करने की कार्यशैली से जनता में खुशी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल पुलिस की कार्यशैली से लोगों में नाराजगी रहती है लेकिन कुछ पुलिसकर्मी ऐसे होते है, जो अपने काम से लोगों के दिल में जगह बनाने में सफल रहते है। माल थाना थाना प्रभारी राजेश कुमार त्रिपाठी की निष्पक्ष कार्य करने की कार्यशैली से जहां क्षेत्रीय जनता में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। तो वही पूर्व के समय में जो दलाल दलाली करने पीड़ितों को गुमराह कर अपनी जेबें भरते रहते थे उनके अरमान ठंडे देखे जा रहे है।बताया जाता है कि राजेश कुमार त्रिपाठी ने अपने कार्यभार संभालने के साथ ही बैठक कर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए थे कि किसी भी पीड़ित की समस्या को प्राथमिकता से सुनकर उनका समाधान किया जाए और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इतना ही नहीं उनके पास जो भी पीड़ित अपनी शिकायत लेकर पहुंचता है।उसको वह सम्मानपूर्वक व्यवहार कर उसकी समस्या को तसल्ली से सुनकर उसका समाधान करने में देर नहीं लगाते। यही कारण है कि आज इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी की कार्यशैली को देखकर क्षेत्रीय जनता के द्वारा सराहना करती देखी जा रही है। थाना प्रभारी राजेश कुमार त्रिपाठी निरंतर क्षेत्र में भ्रमण कर शांति का माहौल बनाने में जुटे हुए है।दिन हो या रात वह अनेकों ऐसे स्थानों पर खड़े नजर आते है जहां से क्षेत्रीय जनता का आना जाना होता रहता है।पुलिस की सक्रियता देखकर राहगीर भी खुद को सुरक्षित समझ रहे है।इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी अपने मधुर व्यवहार व लोगों से अच्छे बर्ताव के लिए जाने जाते है। वर्तमान समय में इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी की सख्त कार्यप्रणाली से आम जनता में अमन-चैन है तो अराजकता फैलाने वालों में जबरदस्त खौफ समाया हुआ है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दम्पत्ति को मारी टक्कर,पत्नी की मौत

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। सुदौली मोड़ के पास गुरूवार की सुबह तेज रफ़्तार अज्ञात वाहन ने ससुराल से अपने घर वापस जा रहे बाइक सवार दम्पति की बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही बाइक समेत दम्पत्ति व मासूम बच्चे छिटककर दूर जा गिरे ओर घायल हो गये।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायलो को इलाज के लिये पास के एक निजी अस्पताल लेकर गयी जहां मौजूद डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत गम्भीर देख ट्रामा टू रेफर कर दिया?।जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

निगोहां के रामदासपुर निवासी राजेन्द्र प्रसाद अपनी पत्नी प्रीति व दो मासूम बच्चो रिषभ व अमिता के साथ बाइक से अपनी बीमार सास सुशीलावती को देखने निगोहां गांव गये थे,जहां से गुरुवार सुबह सात बजे के करीब बाइक से चारो वापस अपने घर रामदासपुर लौट रहे थे जैसे ही सुदौली मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि तभी लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी,टक्कर लगते ही बाइक समेत सभी छिटककर दूर जा गिरे ओर घायल हो गये।राहगीरो की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायल दम्पत्ति व उनके दोनो मासूम बच्चो को इलाज के लिये पास के एक निजी अस्पताल लेकर गयी,जहां डाक्टर ने सभी घायलो का प्राथमिक उपचार करने के बाद घायल महिला की हालत गम्भीर देख इलाज के लिये ट्रामा टू रेफर कर दिया।जिसके बाद परिजन आनन फानन गम्भीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिये ट्रामा टू लेकर पहुंचे,जहां भर्ती कर इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया?।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन व चालक की तलाश के लिये घटना स्थल समेत टोल पर लगे सीसीटीवी कैमरो की रिकाडिंग चेक की जा रही है,जल्द ही दुर्घटना करने वाला वाहन व चालक पुलिस की गिरफ्त में होगे।मृतका के परिजनो के तहरीर देने पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फैली गंदगी के साथ कुत्तों का जमावड़ा, नल पड़े खराब

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा भले ही बीमारियों से बचने के लिए लोगों को साफ सफाई रखने के उपदेश दिए जाते हों। लेकिन सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संबंधितों की लापरवाही के कारण जगह-जगह गंदगी व्याप्त है। यहां इंडियामार्का 2 हैंड पंप और वाटर कूलर खराब पड़े होने के कारण उमस भरी गर्मी में मरीज और उनके तीमारदारों को बूंद बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। बताते चलें कि संक्रामक रोगों से बचने के लिए शासन प्रशासन द्वारा समय-समय पर सफाई अभियान चलाए जाते रहते हैं।लेकिन सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हालात यह है कि जगह-जगह आवारा जानवरों के मल से परिसर में गंदगी फैली पड़ी है। यहां पर अस्पताल परिसर स्थित बिल्डिंग के अंदर गैलरी में प्राय कुत्तों का जमावड़ा बना रहता है। पूरे दिन यह आवारा कुत्ते अस्पताल परिसर या बिल्डिंग के अंदर जगह-जगह बैठे रहते हैं। साथ ही आवारा जानवर भी घूमते रहते हैं। परिसर में जगह-जगह गोबर फैला पड़ा रहता है।लेकिन इस पर ध्यान देने वाला कोई नहीं। बरसात के दिनों में यहां आवारा जानवरों के मल (गोबर) से फैली गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। सबसे ज्यादा दिक्कत तो इस समय यहां मरीज और तीमारों दारों को पीने के पानी की झेलनी पड़ रही है। बताते हैं कि अस्पताल में लगा वाटर कूलर और इंडियामार्ट 2 हैंड पंप पिछले काफी दिनों से खराब पड़े हैं। जिससे यहां दवा लेने आए मरीज और उनके तीमारदारों को पीने के पानी की समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है।

दहेजलोभियो ने पार की बर्बरता की हदे, मोबाइल पर दिया तीन तलाक

पीड़िता की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपी पति व सास के विरूद्ध दर्ज किया गम्भीर धाराओ में मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। जैतीखेड़ा में बीएसएफ आवास में रहने वाली महिला ने बताया उनके पिता बीएसएफ में एएसआई है,पिता ने अपने सामर्थ के अनुसार उसका निकाह 21नवम्बर2021 को फरहान अली निवासी जोगापुर थाना लीलापुर,प्रतापगढ के साथ किया था शादी के कुछ दिन तक सब ठीक ठाक रहा उसके बाद पति व सास मोमिना कम दहेज लाने का ताना देकर शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान कर?ने लगे ओर पिता से ट्रक खरीदने के लिये 15लाख रुपए लाने का दबाब बनाया,जब उसने मना किया तो सास ने बुरी तरह मारा पीटा,जब पति से सास के द्वारा मारपीट करने की बात बताई तो वो भी आगबबूला हो गये ओर कमरे में बुरी तरह पिटाई कर गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया ओर सोने चांदी के जेवरात छीनकर उसे धक्के मारके घर से बाहर निकाल दिया।जिसके बाद बुआ के बेटे को फोन कर बुलाया तो वो अपने साथ घर लेकर गया,जिसके बाद से वो अपने पिता के सरकारी आवास में रहने लगी,6मार्च2023 को उसने निजी हास्पिटल में एक बेटे को जन्म दिया,जिसके बाद पिता ने पति को फोन कर खुशखबरी दी तो उनसे गाली गालौज की।पीड़िता ने बताया पति ने कोख से जन्मे बच्चे को अपना मानने से इंकार करते हुये आये दिन फोन कर मा???नसिक रूप से उसे प्रताड़ित करने लगा ओर 31दिसम्बर2023 को फोन पर ही तीन तलाक दे दिया,जिसके बाद भी सास व पति को परिजनो ने समझाया लेकिन वो नही माने।ससुरालीजनो की प्रताड़ना से अजीज पीड़िता ने महिला थाने में शिकायत पर आरोपी पति व सास के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की।महिला थाने की प्रभारी के निर्देश पर मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपी पति समेत सास के विरूद्ध दहेज प्रताड़ना समेत गम्भीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

ट्रांसपोर्ट कंपनी के ऑफिस से 58 लाख रुपए की नगदी से भरा रखा बैग हुआ चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के ऑफिस से मंगलवार रात 58 लाख रुपए की नगदी से भरा रखा बैग संदिग्ध परिस्थितियों में चोरी हो गया। इस मामले में ट्रांसपोर्टर घनश्याम ने सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घनश्याम के मुताबिक सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर में उनका बीबीएन कार्गो एंड ट्रांसपोर्ट कंपनी के नाम से ऑफिस है। घनश्याम का कहना है कि बीते मंगलवार को उनके ऑफिस में 58 लाख रुपए की नगदी से भरा एक बैग रखा था।जो अगले दिन प्रवेश तिवारी को हैंडओवर करना था। घनश्याम का कहना है कि मंगलवार को उन्होंने प्रवेश तिवारी को 16,39,450 रुपए दिए थे। बाकी शेष रकम प्रवेश ने अगले दिन बुधवार सुबह 10 बजे लेने को बोला था। लेकिन जब बुधवार सुबह घनश्याम अपने ऑफिस पहुंचे तो ताला निकला होने के साथ ही ट्रॉली बैग में रखे 58 लाख रुपये ट्रॉली बैग सहित ऑफिस से गायब मिले। घनश्याम का कहना है कि रात को जब वह यह रकम ऑफिस में रखकर गए, तब उस दौरान वहां पर प्रवेश तिवारी के अलावा लाली, अंकित, अजय, श्याम जी और ड्राइवर शिव शंकर था। जिन्होंने प्रवेश को कुछ अमाउंट ले जाते हुए देखा था। उनका कहना है कि इस रकम की जानकारी सिर्फ प्रवेश तिवारी को ही थी। इस मामले में सरोजनीनगर थाना प्रभारी शैलेंद्र गिरी का कहना है कि मामला संदिग्ध लग रहा है। लेकिन घनश्याम की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की बारीकी से जांच पड़ताल की जा रही है।

दुकानदारों ने बिना नक्शा लिए एनएचएआई अधिकारियों का किया विरोध

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।सरोजनीनगर में कानपुर रोड चौड़ीकरण की जद में आ रही दुकानों का बिना नक्शा लिए गुरुवार को अपने हिसाब से नाप करने पहुंचे एनएचएआई अधिकारियों/कर्मचारियों का विरोध करते हुए दुकानदारों ने उन्हें बैरंग वापस कर दिया। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में विरोध कर रहे व्यापारियों का कहना था कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उन्हें एनएचएआई द्वारा नोटिस तो दी गई, लेकिन कई दुकानदारों को अभी तक मुआवजे की धनराशि तक नहीं दी गई है। उनका कहना था कि अगर एनएचएआई अधिकारी उन्हें नक्शा दिखाकर उनके सामने दुकान की नाप करें और उससे दुकानदार संतुष्ट हो जाएं। साथ ही जिन लोगों की दुकानों का मुआवजा नहीं मिला है, उन्हें मुआवजा भी दे दिया जाए तो दुकानदार खुद ही अपने हिसाब से अपनी दुकानों को तोड़ लेंगे। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अधिकारी यह सब कुछ करने के बजाय अपने हिसाब से दुकान की नाप कर खुद तोड़ने पर अड़े हैं जो व्यापारियों को बर्दाश्त नहीं। व्यापारियों ने बताया कि इस मामले को लेकर व्यापारी नेता ओमप्रकाश शर्मा और एयरपोर्ट आदर्श व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन तिवारी ने एसडीएम सरोजनीनगर से इसकी शिकायत की और उनके सामने दुकानदारों की पीड़ा रखी। जिस पर एसडीम सरोजनीनगर ने शुक्रवार को पूर्वाहन 11 अपने कार्यालय में एनएचएआई अधिकारियों, व्यापारियों और राजस्व कर्मियों को बुलाकर मीटिंग में सभी सुझाव देने की बात कहते हुए जायज समस्याओं का निस्तारण करने का आश्वासन दिया है। फिलहाल दुकानदारों के विरोध के चलते एनएचएआई अधिकारियों को दुकानों की बिना नाप किए ही बैरंग वापस लौटना पड़ा। बताते चलें कि कानपुर एक्सप्रेसवे एलीवेटेड रोड निर्माण की वजह से सरोजनीनगर व बंथरा में कानपुर रोड का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसकी जद में आ रही दुकानों को भी हटाने की प्रक्रिया चल रही है। इसी के तहत बीती 7 जुलाई को एनएचएआई अधिकारियों द्वारा सरोजनीनगर में अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद रोड चौड़ीकरण की जद में आ रही दुकानों को 10 जुलाई को बुलडोजर से गिराने की सूचना दी थी। जिससे दुकानदार भड़क उठे और आक्रोशित होकर उन्होंने गुरुवार को एनएचएआई और राजस्व अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की थी।

संदिग्ध हालत में रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला अज्ञात युवक का क्षत विक्षत शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा इलाके में गुरुवार सुबह एक 30 वर्षीय अज्ञात युवक का क्षत विक्षत शव संदिग्ध हालत में रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। राहगीरों से सूचना पाकर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते हैं कि लखनऊ - कानपुर रेल खंड स्थित हरौनी रेलवे स्टेशन से कुछ दूर सहिजनपुर गांव के सामने रेलवे की डाउन लाइन पटरी पर खंबा नंबर 21/26 और 21/28 के बीच 30 वर्षीय अज्ञात युवक का क्षत विक्षत शव संदिग्ध हालत में पड़ा था।मृतक गुलाबी कलर का शर्ट और नीले रंग की लोअर पहने था। उधर से गुजर रहे राहगीरों ने रेलवे पटरी पर क्षत विक्षत शव पड़ा देखा तो उनके होश उड़ गए। आनन फानन उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची रेलवे पुलिस ने छानबीन की तो मृतक के पास से कोई भी ऐसी वस्तु नहीं मिली, जिससे कि उसकी पहचान हो सके। बाद में रेलवे पुलिस ने आसपास गांवों के लोगों को बुलाकर उसकी पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में युवक की रात के समय किसी ट्रेन से गिरकर मौत होना प्रतीत हो रहा है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही उसकी मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

क्विक शिप लोजिस्टिक्स कोरियर सर्विस का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ट्रांसपोर्ट नगर में कोरियर सर्विस कम्पनी क्विक शिप लोजिस्टिक्स कम्पनी का शुभारंभ में देश के विख्यात हास्य कलाकार कमेडियन दीपू श्रीवास्तव ने पूजन अर्चन करते हुए फीता काटकर किया।कम्पनी के यूपी राज्य के मुख्य प्रबंधक दिवाकर मिश्रा ने बताया कि यह कोरियर कंपनी देश में पहली बार सातों दिन चौबीसों घंटे एक्टिव रहते हुए अपने उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं प्रदान करेगी। हास्य कलाकार दीपू श्रीवास्तव ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि आज के व्यस्ततम समय में हर व्यक्ति शीघ्र सुविधाएं चाहता है।कोरियर सर्विस में यह कम्पनी अनवरत सेवायें दे कर एक शानदार कार्य कर रही है। व्यवस्थापक व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र के प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों को बुके भेंट कर स्वागत किया।इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिवाकर जी सुशील जी के प्रयास से यह कोरियर कम्पनी देश में मील का पत्थर साबित होगी।इस मौके पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र के प्रदेश महामंत्री श्याम चन्द्र श्रीवास्तव, राकेश कुमार श्रीवास्तव मिजार्पुर, अखिलेश श्रीवास्तव चन्दौली, सचिन दूबे, ज्ञानप्रकाश आर्य, प्राची सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्व टीम ने मुख्यमार्ग से सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज लखनऊ, राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र अन्तर्गत पूरनपर गाँव में गाटा संख्या 98 जोकि मुख्यमार्ग पर प्लॉटिंगकर्त्ता द्वारा अवैध तरिके से कब्जा कर लिया गया था पूरे मामले कि जानकारी तहसील प्रशासन मोहनलालगंज के संज्ञान में आने के बाद मामले को गंभीरता से लेकर मोहनलालगंज के उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में नायाब तहसीलदार भानु त्रिपाठी की मौजूदगी में राजस्व टीम द्वारा मौके पर जाकर मुख्यमार्ग की भूमि से जेसीबी कि मदद से कब्जा हटाकर कब्जा मुक्त कराया गया जानकारी के मुताबिक इस जमीन कि कीमत करीब 65 लाख रुपए बताई जा रही है इस दौरान मौके पर राजस्व टीम के आलावा आसपास के लोग मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से कर में लगी आग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे गुरुवार देर शाम एक कर में चलते चलते अचानक आग लग गई। देखते देखते आग ने विक्राल रूप धारण कर लिया और आवागमन बाधित हो गया।राहगीरों की सूचना पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। लेकिन तबतक कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित एलडीको सौभाग्यम शहीदपथ पर रहने वाले युवक प्रदीप शुक्ला पुत्र अर्जुन प्रसाद शुक्ला ने बताया कि वह गुरूवार शाम अपने पिता को बाराबिरवा नहर चौराहे स्थित अवध अस्पताल में अपनी आई 10 कार नम्बर यूपी 32 जी डी 8416 सी अपने पिता अतुल प्रसाद शुकला को लेकर डाक्टर को दिखाने आया था । वापसी के दौरान कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित सिंगार नगर मैट्रो स्टेशन के नीचे उसकी कार अचानक धू धू कर जलने लगी और आग ने विक्राल रूप धारण कर लिया। आग की जानकारी मिलने पर पहंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया लेकिन तबतक कार जलकर खाक हो गई। पुलिस के अनुसार इस आग लगने से कोई भी जनहानि नहीं हुई है।

दर्दनाक बस हादसे का चौकाने वाला सचः आर सी का पता फर्जी, बगैर बीमा-परमिट के दिल्ली तक दौड़ रही थी खटारा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। शिवहर जिले से मोतिहारी होते हुए दिल्ली जा रही बस उत्तरप्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गयी। इस हादसे में अब तक 18 लोगों की मौत हो गयी है, जिसमें से 15 लोग बिहार के शिवहर और मोतिहारी के बताए गए हैं। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक सड़क हादसा हुआ है, इस सड़क हादसे में कुल 18 लोगों की मौत हो गई है।यह सड़क हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुआ है। वहीं इस बस हादसे के बाद जो अहम खुलासे सामने आ रहे हैं, वो हैरान करने वाले हैं। जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक बस के कागजों में दर्ज पता फर्जी निकला है। वहीं यह बस बिना परमिट और बिना बीमा के ही चल रही थी।प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह बस खेती किसानी करने वाले व्यक्ति के नाम से महोबा जिले में रजिस्टर्ड थी।जानकारी के अनुसार यह शिवहर के ही रहने वाले शिवनारायण सिंह की थी। वहीं दिल्ली के रहने वाला चंदन जायसवाल पहाड़गंज से बसों को संचालित करते थे। अब इस मामले में आरटीओ अधिकारी बेहटा मुजावर थाने में बस मालिक के नाम पर एफआईआर (ऋकफ) दर्ज कराएगी।जानकारी के अनुसार इस बस का परिचालन टूरिस्ट परमिट के नाम पर किया जा रहा था। यानि नियम के अनुसार इस बस के इंटर स्टेट चलाने का परमिट नहीं था।यह बस बिना फिटनेस, इंश्योरेंस, परमिट के बिहार से दिल्ली तक दौड़ रही थी।बिहार से दिल्ली तक 16 जगहों पर बस की अनदेखी से 16 आरटीओ कार्यालयों के क्षेत्र से बस रोज गुजरती थी।बस फिटनेस के मानक पर खरी नहीं उतर रही थी फिर भी रोजाना बिहार से दिल्ली के बीच परिवहन विभाग,पुलिस की मिलीभगत से काल बनकर दौड़ती थी।इस बस पर किसी भी अफसर ने संजीदगी नहीं दिखाई और बगैर परमिट,फिटनेस के करीब 1300 किमी चलती थी।बस संख्या वढ 95 ळ 4729 बिहार के मोतिहारी से आगरा एक्सप्रेस वे के रास्ते चलती थी।बस की फिटनेस एक जनवरी 2021 को ही खत्म हो चुकी थी और डबलडेकर बस का टैक्स भी 30 नवंबर 2023 तक ही जमा था।इंश्योरेंस इसी साल दो फरवरी व परमिट भी खत्म हो गया है। बस हादसे का बड़ा कनेक्शन महोबा से मिला है।39 बिना फिटनेस की बसें पुष्पेंद्र सिंह चला रहा था। बस महोबा एआरटीओ में रजिस्टर्ड है और घटना के बाद से आरोपी पुष्पेंद्र सिंह फरार है।खन्ना क्षेत्र के मवई खुर्द का रहने वाला आरोपी पुष्पेंद्र.नमस्ते बिहार नाम की इस बस की तस्वीर देखकर इसकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह बिलकुल खटारा स्थिति में थी। बस की टूटी खिड़कियों पर कांच की जगह जुगाड़ के तौर पर प्लाइबोर्ड लगाए गए थे। वहीं बस में अन्य सुविधाओं का भी अभाव था। बस हादसे की शिकार एक महिला ने बताया कि इस बस के मालिक कई और बस चलवाते हैं। लेकिन, हमलोग जब सफर शुरू करने वाले थे तो हमें जानकारी नहीं थी कि हमलोगों को खटारा बस में बिठा दिया जाएगा।बता दें, बिहार से दिल्ली जाने वाली अधिकांश बसों के पास इंटर स्टेट परमिट नहीं होता है, ये लोग परिवहन विभाग को कुछ पैसे देकर टूरिस्ट परमिट के नाम पर ही बसों का परिचालन करते हैं। बिहार से दूसरे राज्यों में जाने वाली प्राइवेट बसों में कानूनी पहलुओं का सही ढंग से पालन नहीं होता है। ऐसे में आए दिन बस दुर्घटना की खबर सामने आती रहती हैं। इससे पहले भी बिहार से यूपी और दिल्ली जाने वाली बस हादसों का शिकार हुई हैं।इस बस हादसे में मोतिहारी के 13 व्यक्ति की मौत हो गयी है, जिसमें फेनहारा थाना के एक ही परिवार के छह सदस्य असफाक (42), मो०इस्लाम (35) मुनचुन खातून (38) गुलनाज खातून (12) कमरून नेशा (30) सोहैल (3) साल के आलावा पिपरा कोठी निवासी मोहम्मद असलम के पुत्र सलीम और शमीम, मधुबन निवासी मोहम्मद के पुत्र जय सैयद, मोतीहारी निवासी नसरुल्ला दीवान के पुत्र फूल मोहम्मद, मोतीहारी निवासी विनोद के पुत्र रूपेश कुमार, मोतीहारी निवासी बैजू कुमार एवं आदापुर निवासी मेराज आलम शामिल है।अब मृतक अशफाक के परिजन बता रहे हैं कि पूरा परिवार दिल्ली में मजदूरी करता था। इस बार ट्रेन का टिकट नहीं मिला तो बस से जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही काल के गाल में समा गए। हादसे के बाद मृतकों के गांव में चीख पुकार मची है। बस हादसे में सुरक्षित बचे यात्रियों ने बताया कि वे लोग इस बस के माध्यम से दिल्ली कमाने के लिए जा रहे थे, अधिकांश लोग दिल्ली में कुछ न कुछ छोटा-मोटा काम करते थे। किसी काम से अपने घर बिहार लौटे थे। अब वापस जाने के दौरान यह हादसा हो गया है।

संक्षेप

साफ सफाई रखने के लिए नागरिकों को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर सोमवार को वार्ड 11 अंबिकापुरम में सफाई कर्मियों ने नाला नाली की साफ सफाई करने के साथ ही एंटी लार्वा का छिड़काव करने के साथ ही मोहल्ले में रहने वाले लोगों को जागरूक भी किया। इस बावत ईओ मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि इसी तरह पालिका के 28 वार्डों में अभियान के तहत साफ सफाई कराने के साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जायेगा। वहीं बारिश को देखते हुये घर के आस पास जलभराव न हो, इसके लिये लोगों को जागरूक भी किया गया।

बांधो का पानी आने से बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज पश्चिम के बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण पिछले एक सप्ताह से लगातार गंगा के जलस्तर में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। केन्द्रीय जल आयोग ने बताया कि बुधवार शाम पांच बजे गंगा का जलस्तर 110.780 मीटर दर्ज किया गया था। जिसके बाद गुरुवार सुबह आठ बजे 111 मीटर को पार करके 111.290 मीटर पहुंच गया। जिसके बाद तेजी से जलस्तर में बढ़ोत्तरी हुई है दोपहर एक बजे जलस्तर में बढ़ोत्तरी हुई और 111.350 मीटर तक पहुंच गया। जिसके बाद शाम पांच बजे 111.450 मीटर तक पहुंच गया। जो चेतावनी बिंदु से 112 मीटर से 55 सेंटीमीटर दूर हैं। आयोग ने बताया कि शुक्लागंज की ओर 112 मीटर चेतावनी बिंदु हैं। जबकि 113 मीटर खतरे का निशान है। यदि इसी तरह गंगा का जलस्तर बढ़ता रहा तो जल्द ही गंगा चेतावनी बिंदु तक पहुंच सकती हैं। वहीं जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की धड़कनें तेज हो गई हैं। जलस्तर बढ़ने के कारण गोताखोर, सैय्यद कम्पांउंड, कर्बला, हुसैन नगर, चंपापुरवा, तेजीपुरवा, मनसुख खेड़ा के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है।

दबंगो ने युवक को लाठी डंडों से पीटा

अमन लेखनी समाचार

शुक्लागंज, उन्नाव। महानंद पुरवा निवासी राजेश ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर मनोज और उसके भाई कुलदीप बुधवार रात गाली गलौज कर रहे थे, जिसका उसने विरोध किया। घर से बाहर आने पर दोनों ले लाठी डंडों से हमला बोल दिया। जिससे उसका सिर फट गया। घायलावस्था में वह कोतवाली पहुंची और पुलिस से शिकायत की। जहां पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिये भेजा और तहरीर के आधार पर दोनों के खिलाफ कार्यवाही की है।

शीतल पेय कंपनी कर रही जल दोहन, किसान परेशान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवाबगंज में किसानों की जमीनें बंजर होनें के मुहाने पर आ खड़ी हुई हैं जबकि जिम्मेदार फ्री मिनरल वाटर पीकर अपना कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी ही भूल गये हैं, जरूरत से कहीं ज्यादा शीतल पेय कम्पनी द्वारा जल दोहन कर किसानों के सामनें बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। सारा मामला क्षेत्र के जैतीपुर मार्ग पर स्थित वृन्दावन बॉटलर शीतल पेय कम्पनी से सम्बंधित है।सूत्र बताते हैं कि हजारों लीटर गहरी बोरिंगों से क्षमता से अधिक जल दोहन होनें से अब कम्पनी के लायक (मानक अनुसार) पानी ना निकलने से कम्पनी के निरीक्षण कर्ता टीम द्वारा स्थलीय अवलोकन एवं पानी के नमूने की जाँच कर शीतल पेय के उत्पादन पर फौरी तौर पर रोक लगा दी गयी है जिसके चलते उत्पादन ठप हो गया था, बताते हैं कि वृन्दावन बॉटलर के संचालक अथक प्रयासों से एक बार पुनः कम्पनी के विशेषज्ञों के द्वारा जाँच की गई किंतु मानक पर खरा ना उतरने के चलते प्लांट को शुरू करनें से विजिटर्स नें इनकार कर दिया।सूत्र बताते हैं कि कम्पनी के जाँच कताओं नें नई बोरिंग करानें सम्बन्धी दिशा निर्देश दिये हैं तदुपरान्त पुनः जाँच कर आवश्यक दिशा निर्देश मिलने पर ही उत्पादन शुरू हो सकेगा। सूत्र यह भी बताते हैं कि शुरूआती जाँच प्रक्रिया के दौरान निरीक्षण कर्ता टीम द्वारा तैयार स्टॉक माल की डिलेवरी ओर रोंक लगा दी गयी थी और उसे नष्ट कर स्टॉक को निल करनें के लिये भी कहा गया था किंतु स्टॉक को ऑफ रिकॉर्ड मार्केट में सप्लाई कर दिया गया था।सूत्र यह भी बताते हैं कि कम्पनी के अधिकारियों नें जब टेक्निकल टीम के द्वारा निरीक्षण किया था तब गर्मी का सीजन स्टार्ट ही हुआ था तभी स्टॉक को ऑफ रिकॉर्ड सप्लाई कर नष्ट करनें का ऑन रिकार्ड पेपर फॉर्मेलिटी पुरी कर ली गयी थी।इस तरह से कम्पनी द्वारा जहाँ अपना घाटा पूरा करनें के लिये एक तरफ आम जनता को शीतल पेय के नाम पर जहाँ मीठा जहर परोसा गया वहीं अत्यधिक जल दोहन के चलते आस पास क्षेत्र में वाटर लेवल लगातार नीचे जा रहा है।

बारात के लिए बुक की गयी गाड़ियां नहीं पहुंची तो दूल्हा ने थानाध्यक्ष से लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। दूल्हा घर में सज धज कर दुल्हन को लाने के लिए बुक कराई गई गाड़ियों का इंतजार कर रहा था। लेकिन ट्रेवल्स वाले ने धोखा दे दिया और उसने गाड़ियां नहीं भेजी। इस पर वह थाने जा पहुंचा। थानाध्यक्ष ने ट्रेवल्स वाले से बात कर दूसरे ट्रेवल्स से गाड़ियां दिलाने के लिए निर्देशित किया है।

सुमेरपुर कस्बे के धर्मेश्वर बाबा निवासी रामहेत की गुरुवार को चित्रकूट के गुप्त गोदावरी गांव में बारात जानी थी। उसने पुलिस को बताया कि वह करीब चार माह पूर्व दिलीप के माध्यम से 1600 रुपये प्रति गाड़ी के हिसाब से छह गाड़ियां रोहित नाम के व्यक्ति से बुक कराई थी। लेकिन आज जब वह दूल्हा बनकर तैयार हो गया तो बारात ले जाने के लिए बुक कराई गई गाड़ियां नहीं आई। जिससे परेशान होकर वह थाने पहुंच गया और अपनी समस्या से थानाध्यक्ष को अवगत कराया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार मौके की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल गाड़ियां बुक करने वाले रोहित के घर जा पहुंचे। जब वह नहीं मिला तो उसके पिता प्रमोद से गाड़ियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिस पर उसका पिता तैयार हो गया है और पुलिस ने उसे थाने में बैठा लिया है। वह बारात ले जाने के लिए दूसरे ट्रैवल्स से गाड़ियां लेने की जद्दोजहद में जुट गया है। इधर ट्रेवल्स वाले की गलती का खामियाजा रामहेत को भुगतना पड़ रहा है। क्योंकि वह समय से नहीं निकल पाएगा। जिससे दुल्हन के घर होने वाले कार्यक्रमों में लेट लतीफी होगी।

डीजिटल उपस्थित के विरोध में लामबंद हुए शिक्षक

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष अजय कटियार की अगुवाई में बी आर सी - गंजमुरादाबाद में डिजिटल उपस्थिति के विरोध में पूर्ण बहिष्कार करने के लिए भारी संख्या में ब्लॉक के सभी शिक्षकों के द्वारा एक दिवसीय धरना दिया गया। धरने को ब्लॉक अध्यक्ष अजय कटियार ने अपने जोशीले विचारों के साथ संबोधित करते हुए सभी शिक्षकों को अपनी मांगों यथा 31 उपार्जित अवकाश,15 हाफ सी एल, राज्य कर्मचारी का दर्जा, मेडिकल सुविधा, प्रतिकर अवकाश, 12 द्वितीय शनिवार अवकाश जैसी मांगों के लिए मैदान में डटे रहकर संघर्ष करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है जब -जब शिक्षक लामबंद हुआ है तब -तब शासन को हमारी जायज मांगों को मानना पड़ा है।शिक्षक की गोद में प्रलय तथा निर्माण निहित है।हमने सरकारों को बनाया भी है और बिगाड़ा भी है। धरने में कार्यसमिति के पदाधिकारियों मंत्री अवधेश कनौजिया, उपाध्यक्ष वेदप्रकाश, सहकोषाध्यक्ष नीतीश कनौजिया तथा संघर्ष समिति के अध्यक्ष रणधीर सिंह , मंत्री सिद्धार्थ गौतम सहित कई पदाधिकारियों ने अपने जोशीले और तार्किक विचारों से शिक्षकों में जोश भरा।अन्त में इस अमानवीय तथा अव्यवहारिक ऑनलाइन डिजिटल उपस्थिति सहित पूरी व्यस्था के विरुद्ध जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय के माध्यम से महानिदेशक स्कूल शिक्षा को ज्ञापन प्रेषित करने हेतु सभी शिक्षकों ने असहमति का हस्ताक्षर अभियान चलाने के उपरांत कार्यक्रम को समाप्त किया गया। इस मौके पर भारी तादाद में शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

तेज गर्जना के साथ गिरी आकाशीय बिजली, छः बकरियो की मौके पर हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। जनपद मे सरीला विकासखण्ड क्षेत्र के परछा गाँव मे बृहस्पतिवार को दोपहर के वक्त बारिश के साथ तेज गर्जना से आकाशीय बिजली परछा गाँव के हनुमान मंदिर के पास मैला मैदान मे लगे पीपल के पेड़ के नीचे खड़ी बकरियो के ऊपर जा गिरी जिससे मौके पर छः बकरियो की मौत हो गई। बाबूराम सैनी पुत्र शिवप्रसाद सैनी ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति आज भी बकरिया चराने खेतो मे गया था तभी अचानक बारिश शुरू हुई जिससे मेरी बकरिया पास मे लगे पीपल के पेड़ के नीचे छिप हुई थी। उसी वक्त तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिसमे मेरी छः बकरियो की मौत हो गई। इसकी सूचना गाँव के लेखपाल को दे दी गई है। इस दौरान मंगल , नन्दराम अनुरागी , उमेश , रामऔतार, खुन्टा आदि चरवाहे मौके पर मौजूद थे।

अपनी मांगो को लेकर शिक्षको ने किया जोरदार प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार एवम् जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार पांडेय के निर्देश के अनुपालन में प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई सुमेरपुर में बृहस्पतिवार को ब्लॉकभर के शिक्षक शिक्षिकाओं एवं अनुदेशक शिक्षामित्र एवं सहचरों ने उपस्थिति समय में शिथिलता और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा समेत आदि माँगे न माने जाने तक डिजिटल हाजिरी एवम डिजिटल पँजिकाओं का प्रयोग न करने का फैसला करते हुए बीआरसी सुमेरपुर में जोरदार प्रदर्शन किया।प्रदर्शन में उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं एवं अनुदेशक शिक्षामित्र एवं सहचरों को सम्बोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि परिषदीय शिक्षकों के लिए उपस्थिति समय में शिथिलता, प्रतिकर अवकाश, 30 उपार्जित अवकाश, अर्ध आकस्मिक अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, मुक्त चिकित्सा बीमा जैसे लाभ जब तक अनुमन्य नहीं किए जाते हैं तब तक शिक्षके डिजिटल हाजरी देने के लिये सहमत नहीं है। डिजिटल हाजिरी की मौजूदा व्यवस्था अव्यावहारिक है क्योंकि गांव-देहात की सड़कें, रेलवे क्रांसिंग, रास्तों में सड़कों पर जाम और बाढ़ जैसी स्थिति में शिक्षकों का स्कूल पहुंचना आसान नहीं है। इस अवसर पर वरुण मिश्रा, देश दीपक पांडेय, मणि शंकर तिवारी, संकल्प मिश्रा, अक्षय कटियार, दीपक वर्मा, कृष्ण मोहन सिंह, रवि प्रकाश शर्मा, चन्द्रभान सिंह, रवि शंकर पाण्डेय, आशुतोष द्विवेदी, अखण्ड प्रताप सिंह, रवि कांत सिंह समेत आदि शिक्षक शिक्षिकाओं एवं अनुदेशक शिक्षामित्र मौजूद रहे।

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित में लगाए हजारों पौधा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद संस्थापक/अध्यक्ष अंकित शुक्ला द्वारा एक पेड़-एक जिंदगीह्ल अभियान के तहत कुसुम्भी नवाबगंज मनिकापुर उन्नाव शहर अन्य क्षेत्र स्थित चौपाल में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल गुरबीरपाल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने की अभियान के तहत मुख्य अतिथि और संस्था के सदस्यों ने मिलकर चौपाल गांव व शहर में अन्य जगहों पर लगभग 2000 पौधे लगाए। पौधारोपण के बाद सभी सदस्यों ने उनकी देखभाल करने की शपथ ली और कहा कि वे भविष्य में भी समय-समय पर पौधारोपण करते रहेंगे। गांव की चौपाल में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने अपने-अपने नाम से पौधारोपण किया और उनकी देखभाल करने का प्रण लिया। संस्था अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने कहा कि पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। जिस तरह हम हवन में आहुति डालते हैं पौधारोपण करना भी उसी के समान है। पर्यावरण को सुरक्षित रखा हम सबकी जिम्मेदारी है, इसलिए हम सभी को पौधारोपण करना चाहिए।और पेड़-पौधों के कारण आज मनुष्य जीवित है। यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे तो मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जो पौधारोपण किया है, वह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए तोहफा होगा, क्योंकि ये पेड़ पौधे बड़े होकर सदियों तक सभी को जीवन के रूप में ऑक्सीजन देते रहेंगे। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे हर माह में एक पौधा जरूर लगाएं। पौधारोपण कार्यक्रम में रमेश राणा, राकेश सुशील पंचाल, शेरसिंह, जसबीर सिंह, प्रितपाल, राजकुमार दिनेश आदि ने पौधा रोपण किया पौधारोपण के बाद ही शुरू होती है जिम्मेदारी अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने कहा कि पौधारोपण करने के बाद उसकी देखभाल करना बहुत जरूरी है, क्योंकि अधिकतर लोग पौधारोपण तो करते हैं, लेकिन उनकी देखभाल नहीं करते। इस कारण कुछ दिनों बाद वे पौधे खत्म हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने के बाद ही उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी शुरू होती है, इसलिए हमें पौधारोपण करने के बाद उसकी देखभाल करनी चाहिए गुरुवार पौधारोपण करने के बाद कहा पौधे ही हमारे जीवन का बड़े होकर यापन करते हैं। उनका कहना है कि अब से हर व्यक्ति को एक पौधा अपने हर जन्मदिन पर लगाने के लिए संस्था उन्हे प्रेरित किया जा रहा है बाद में उसकी देखरेख की जानी चाहिए। ताकि वह फल फूलने के बाद वातावरण को शुद्ध कर सके पर्यावरणसंरक्षण विभिन्न प्रकार के छायादार फलदार पौधे जैसे जामुन, आंवला, अमरूद, शीशम एवं केशिया गलुका आदि के पौधे लगाए। राष्ट्रीय महासचिव भावनी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि वायुमंडल में कॉर्बन डाइऑक्साइड को शुद्ध करने के लिए ऑक्सीजन बहुत जरूरी है, इसलिए हमें मिलकर ज्यादा से ।ज्यादा पौधे लगाने चाहिए ताकि वातावरण शुद्ध हो सके और बीमारियां भी कम हों। कि पेड़-पौधों से हमें विभिन्न प्रकार की दवाइयां मिलती हैं, जो मलेरिया, डेंगू तथा ज्वर आदि में काम आती हैं शहर के सभी घरों से पर्क करके एक-एक फलदार पौधा लगाने का निश्चय किया है। और वहां को लोगो ने अंकित शुक्ला की भूर-भूर तारीफ की क्योंकि उनके द्वारा किए गए कार्य समाज हित में जैसे बच्चो को निःशुल्क शिक्षित अभियान व जरूरतमंद लोगो भोजन वितरण अन्य।

विकसित भारत की नई पहचान!

परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा ज़िला महिला चिकित्सालय, उन्नाव से विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ फीता काट कर साथ ही परिवार नियोजन के प्रचार प्रसार हेतु सारथी वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया व परिवार नियोजन काउंटर (प्रदर्शनी) का अवलोकन किया गया।इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सत्य प्रकाश ,अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी परिवार नियोजन डॉ हरि नंदन प्रसाद तथा मुख्य चिकित्साअधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय उन्नाव डॉ फौजिया अंजुम नोमानी के द्वारा माननीय विधायक जी का स्वागत किया गया।मुख्य चिकित्साधिकारी उन्नाव द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक 11 जुलाई ,2024 से 31 जुलाई ,2024 तक जनपद में विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के अंतर्गत सभी प्रकार की परिवार नियोजन की सेवा समस्त चिकित्सा इकाइयों पर प्रदान की जाएगी जिस में ब्लॉक स्तर इकाइयों पर नसबंदी की सेवा नियत सेवा दिवस पर उपलब्ध रहेगी।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी परिवार नियोजन ने अवगत कराया कि पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गति विधियों का आयोजन जैसे जनपद के साथ साथ सभी 16 ब्लॉक में सारथी वाहन के द्वारा परिवार नियोजन साधनों का प्रचार प्रसार,सभी उपकेंद्र पर प्रत्येक आशा एरिया में जन जागरूकता हेतु सास बेटा बहु सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का नियंत्रण अति आवश्यक है।अतः इस पुनीत कार्य में सभी का योगदान आवश्यक है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका ने अवगत कराया कि ज़िला महिला चिकित्सालय में परिवार नियोजन की स्थाई विधि महिला नसबंदी की सेवा के अतरिक्त अस्थायी परिवार नियोजन की विधियां जैसे डिलीवरी के बाद पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी,गर्भ निरोधक तिमाही इंजेक्शन, छाया साप्ताहिक गोली, दैनिक माला एन गर्भ निरोधक गोली,कंडोम एवं आपात कालीन गर्भ निरोधक गोली की सेवा प्रतिदिन उपलब्ध है। इस अवसर पर पुरूष चिकत्सालय के कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ विवेक गुप्ता, सभी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी उन्नाव, डॉ तौसीफ रिजवी,ज़िला कार्यक्रम प्रबंधक इंतजार अहमद सिद्दीकी,जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक ज्योति भूषण पांडे,जिला परिवार नियोजन प्रबंधक डॉ मोहम्मद आरिफ, महिला चिकित्सालय प्रबंधक ममता श्रीवास्तव,जिला विशेषज्ञ टीएसयू डॉ ए०बी०फारूकी, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर डॉ रानू कटियार,पीएफआई से श्री कपिल श्रीवास्तव, पीएसआई इण्डिया से अनुरेश सिंह,बिकेश कुमार, पूजा सिंह, अंकिता सिंह ,एवं मनिंदर सिंह,आदि उपस्थित रहे।

सुलतानपुर में महिला को कुल्हाड़ी से काट डाला

- सोते समय किया हमला, ससुर पर हत्या का शक, मौके से फरार

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, यूपी के सुल्तानपुर में बुधवार रात घर में सो रही एक महिला की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई। सुबह खून में लथपथ शव मिलने की सूचना से हडकंप मच गया। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण चंद्र ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। आशंका है कि महिला के ससुर ने वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम में भेजा है। गोसाईगंज थानाक्षेत्र के मगनगंज निवासी जरीना (45) पत्नी आजाद रात को घर के खुले आंगन में जमीन पर बिस्तर लगा कर सो रही थी। घर के अन्य सदस्य भी अगल बगल मौजूद थे। सुबह जब परिजन जागे तो जरीना का शव बिस्तर पर खून से सना हुआ पड़ा था। जरीना की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। जिसकी सूचना परिजनों ने स्थानीय थाने की पुलिस को दी। सूचना पर थानाध्यक्ष धीरज कुमार, सीओ प्रशांत सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक की टीम भी मौके पर पहुंची है। टीम ने साक्ष्य इकट्ठा किया है।

चार पहिया वाहन की टक्कर से महिला गंभीर रूप से हुई घायल

अमन लेखनी समाचार/हेमंत यादव

गरौठा, झांसी। गरौठा गुरसराय चौथेमील चौराहे पर चार पहिया वाहन ने एक महिला को जोरदार टक्कर मार दी जिससे महिला बुरी तरह घायल हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने उसे झांसी रेफर कर दिया गया। गुरुवार को शाम करीब 4:30 बजे ग्राम भेड़ा थाना रावतपुरा जिला भिंड निवासी राजकुमारी पत्नी शक्ति सिंह उम्र 60 वर्ष अपने किसी रिश्तेदार के यहां ग्राम चंद्रपुरा गरौठा किसी कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। चौथा मील मंदिर के पास जैसे ही राजकुमारी ने सड़क पार की तभी गुरसराय से गरौठा की तरफ जा रही तेज रफ्तार गाड़ी एचआर 55 एबी 1258 ने महिला में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे महिला दूर जा गिरी और गाड़ी चालक गाड़ी लेकर गरौठा की तरफ भाग गया। घटना की सूचना मौके पर मौजूद लोगों ने गरौठा पुलिस को दी गरौठा पुलिस ने सक्रियता दिखाकर गाड़ी समेत वाहन चालक को गरौठा के पास पकड़ लिया। और घायल महिला को निजी वाहन से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय भेज दिया। जहां उसकी हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने झांसी रेफर कर दिया।

सम्पादकीय

आतंकवाद के खिलाफ अब निर्णायक एक्शन का वक्त

जम्मू-कश्मीर में स्थिति गंभीर होती जा रही है। आतंकियों ने अब कठुआ में सेना के वाहन पर हमला किया, चार जवान शहीद हुए। दो महीने में सेना के वाहन पर यह दूसरा हमला है। इससे पहले 4 मइ का पुछ के शाहसितार इलाके में एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था। वहीं दो दिन में यह सेना पर दूसरा हमला है। गत रविवार की सुबह आतंकियों ने राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में एक आर्मी कैंप पर हमला किया था। आतंकियों ने सेना पर यह हमला तब किया जब पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम कठुआ जिले के मचहेड़ी क्षेत्र में तलाशी ले रही थी। इस साल जनवरी से लेकर अब तक जम्मू-कश्मीर में एक के बाद एक कई आतंकी हमले हो चुके हैं। अभी जब केंद्र में मोदी सरकार की तीसरी बार वापसी हुई है, तब से आतंकी हमलों में वृद्धि हुई है। दहशतगर्दों ने इस साल 12 जनवरी को पुंछ में सेना के वाहन पर आतंकी हमला किया था। इससे पहले 21 दिसंबर को सुनारकोट में सेना के काफिले पर आतंकी हमला हुआ। 6 व 7 जुलाई को कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हुई। इसमें 2 जवान शहीद हुए, 6 आतंकी मारे गए। जून में 7 आतंकी घटना हुई है, जिसमें 9 आतंकी मारे गए। 9 जून से 12 जून के बीच 3 आतंकी हमले हुए। कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले में पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ), हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी गुटों का हाथ बताया जाता है। ये ऐसे आतंकी गुट हैं, जिनके तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। जम्मू-कश्मीर में मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन चल रहा है, एक समय लगा कि घाटी से आतंकवाद का करीब - करीब सफाया हो गया है, आतंकियों की औसत उम्र छह माह से भी कम हो गई थी। पत्थरबाजी पर अंकुश लगा, लेकिन इधर छह महीनों में आतंकी घटनाओं में तेजी आई है। पाक प्रायोजित आतंकी गुटों ने कश्मीर को फिर से अशांत करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान बेशक आर्थिक रूप से जर्जर हो, लेकिन पाक फौज और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम अनवरत जारी रखी हुई हैं। पाक एस्टाब्लिशमेंट की भारत व पाक नियंत्रण रेखा एलओसी (लाइन ऑफ कंट्रोल) पर आतंकियों की भारत में घुसपैठ कराने की हमेशा कोशिश रहती है, कश्मीर में होने वाले अधिकांश आतंकी हमले में पाक घुसपैठिए आतंकवादी शामिल रहते हैं। यह साफ है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अभी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भारत ने आतंकवाद का मुद्दा मुखरता से उठाया था और एससीओ को अपना स्टैंड साफ करने के लिए कहा था। चीन के आधिपत्य वाले एससीओ में भारत व पाकिस्तान भी सदस्य हैं, ऐसे में पाकिस्तान पर भारत के खिलाफ आतंकवाद बंद का दबाव आवश्यक है। हालांकि चीन का पाक के आतंकवाद पर ढुलमुल रवैया रहा है। भारत को आतंकवाद के खिलाफ एक्शन को और कठोर बनाना होगा, कश्मीर में दहशतगर्दों के सफाये के साथ पाक में बैठे भारत विरोधी आतंकी गुटों के खिलाफ भी ठोस कार्रवाई करनी होगी। पाकिस्तान पर आतंकवाद के खात्मे का दबाव बढ़ाना होगा। दूसरी बार देश के गृहमंत्री बनने के बाद अमित शाह ने कहा है कि राजग सरकार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक एक्शन लेगी, तो अब वह समय आ गया है।

नई लोकसभा

कैप्टन अभिमन्यु

हंगामा नहीं, विमर्श का समय

संसद के विशेष सत्र में विपक्ष के हंगामे को समूचे देश ने देखा। अब 22 जुलाई से संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है। तो क्या इस सत्र में भी विपक्ष का यही रूप रहेगा? एक दशक में संसद कामकाज से अधिक हंगामे, शोर-शराबे और जनप्रतिनिधियों-दलों के अवसरवादी आचरण के कारण चर्चा में रही है। अब सवाल है कि आखिर ऐसी परिस्थिति आई क्यों? इसके लिए हम किसे जिम्मेदार ठहरा सकते हैं या किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? जाहिर तौर पर नकारात्मक राजनीति का लाभ किसी को हासिल नहीं होगा। इसकी कीमत विपक्ष को भी चुकानी पड़ेगी। प्रधानमंत्री ने सभी दलों से दलहित-निजी हित से ऊपर उठ कर नई लोकसभा में अपना योगदान देने का आह्वान किया है।

अठारवीं लोकसभा का आगाज 24 जून को विशेष सत्र से हो चुका है। हमेशा की तरह पहले सदस्यों ने शपथ ली, लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव हुआ, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संयुक्त सत्र में अभिभाषण हुआ। अभिभाषण पर चर्चा के साथ देश की सबसे बड़ी पंचायत में कामकाज की शुरुआत हो गई। यह संक्षिप्त सत्र था, तो भी विपक्ष ने मर्यादित रहना उचित नहीं समझा। पीएम नरेन्द्र मोदी के धन्यवाद प्रस्ताव संबोधन के दौरान विपक्ष की अनवरत नारेबाजी ने खलल डाला। संसद में विपक्ष के हंगामे को समूचे देश ने देखा। यह चिंता की बात है कि क्या संसद में सुनने-सुनाने का सामान्य शिष्टाचार भी खत्म हो रहा है? अब 22 जुलाई से संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है। तो क्या इस सत्र में भी विपक्ष का यही रूप रहेगा? जबकि पीएम मोदी की राजग सरकार के लिए अगले पांच साल महत्वपूर्ण रहने वाले हैं, जिसमें संसद की भी अहम भूमिका होगी। राजग के इसी कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। इसी कार्यकाल में 'एक देश एक चुनाव' पर किसी नतीजे पर पहुंचने की कोशिश होगी। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर सशक्तिकरण का द्वार भी इसी कार्यकाल में खुलना है। यही कार्यकाल भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दशा और दिशा तय करने में भी भूमिका निभाएगा। सवाल है कि क्या नई लोकसभा में हमें विभिन्न दलों में कुछ कर दिखाने की सामूहिक संकल्प शक्ति प्रदर्शित करने की उम्मीद रखनी चाहिए? यह सवाल बेहद जरूरी है। जरूरी इसलिए कि एक दशक में संसद कामकाज से अधिक हंगामे, शोर-शराबे और जनप्रतिनिधियों-दलों के अवसरवादी आचरण के कारण चर्चा में रही है। संसद में सुचारू कामकाज के संचालन के प्रति दलों में घटती जवाबदेही ने संस्थागत विश्वसनीयता को बेहद कमजोर किया है। आम जनमानस में देश की सबसे बड़ी पंचायत की छवि धूमिल हुई है। ऐसे में यह सवाल प्रासंगिक है कि क्या विभिन्न दल और उसके प्रतिनिधि अतीत से सबक लेते हुए संसद की कम होती जा रही विश्वसनीयता के प्रति चिंता दर्शाएंगे, या फिर भविष्य में नई लोकसभा के पन्ने भी कामकाज, शुचिता, प्रतिबद्धता की जगह हंगामे और बेवजह के शोर के अध्याय से भरे पड़े होंगे?

अतीत की, खास कर बीते दो-तीन लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल की समीक्षा करें तो एक बेहद निराशाजनक तस्वीर सामने आती है। ये तस्वीर बताती है कि कैसे भारतीय राजनीति और संसद में राजनीतिक दलों-नेताओं के बीच मतभेद की जगह मनभेद ने गहरे तक जड़ें जमा ली हैं। मसलन पिछली लोकसभा ने सबसे कम बैठकों का कीर्तिमान बनाया। केवल 274 बैठकें हुई जो औसत 468 बैठकों से बहुत कम है। इस दौरान वित्त विधेयक को छोड़ कर 179 विधेयक पारित किए गए। चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें से 35 प्रतिशत विधेयकों को पारित कराने में एक घंटे से भी कम समय लगा। सिर्फ 30 प्रतिशत विधेयकों पर ही लगभग तीन घंटे से अधिक की चर्चा हुई। जरा सोचिये, संसद में पारित विधेयक कानून का रूप अख्तियार कर 140 करोड़ लोगों का भविष्य तय

करते हैं। बावजूद इसके विधेयकों पर चंद मिनट की चर्चा की औपचारिकता निभाना, देश की सबसे बड़ी पंचायत की कैसी छवि बनाएगा? बात यहीं तक सीमित नहीं है। संसद का सबसे महत्वपूर्ण अंग संसदीय समितियां लगातार निष्प्रभावी होती जा रही हैं। विधेयकों को विचार के लिए समितियों को भेजने का सिलसिला लगातार कम होता जा रहा है। मसलन 14वीं लोकसभा में 60 प्रतिशत, 15वीं में 71 प्रतिशत, 16वीं में 25 प्रतिशत विधेयक संसद में पेश करने से पहले संसदीय समितियों को भेजे गए। पिछली लोकसभा में महज 16 प्रतिशत विधेयक ही संसदीय समितियों को भेजे गए। बीती लोकसभा में 15 में से 11 सत्र समय से पूर्व स्थगित कर दी गई। हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित होना अब सामान्य बात हो गई है।

अब सवाल है कि आखिर ऐसी परिस्थिति आई क्यों? इसके लिए हम किसे जिम्मेदार ठहरा सकते हैं या किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? सबसे पहले तो इस तथ्य को सभी दलों को स्वीकार करना होगा कि संसद मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए है। नई परिस्थितियों, नई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विमर्श के माध्यम से नए कानून बनाने और जरूरत पडऩे पर पुराने कानून में संशोधन करने के लिए है। संसद की स्थापना या गठन का मूल उद्देश्य यही है। समस्या यह है कि राजनीतिक दलों ने संसद को सियासत का माध्यम बना लिया है।

तो क्या वाकई स्थिति में अनुकूल बदलाव नहीं आएगा? या क्या हम स्थिति में बदलाव के लिए आशावादी हो सकते हैं? इसका जवाब तलाशने के लिए चार जून को आए आम चुनाव के नतीजे के बाद की स्थिति का अवलोकन कीजिये। मतगणना से पहले ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए गए। नतीजे आने के बाद जनादेश को विपक्ष ने अपने ढंग से परिभाषित करने की कोशिश की। यह ठीक है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई, मगर सच्चाई यह भी है कि मतदाताओं ने उसकी अगुवाई वाले राजग गठबंधन को जनादेश दिया है। राजग के पास 294 सदस्यों का संख्या बल है, जो बहुमत से 22 ज्यादा है। विपक्षी इंडी गठबंधन को 234 सीटें ही मिली हैं। भाजपा को 240 सीटें व कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। बावजूद इसके विपक्ष ने जनादेश का सम्मान नहीं किया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण विपक्ष का नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाना है। विपक्षी इंडी गठबंधन से समारोह में सिर्फ मल्लिकार्जुन खरगे उपस्थित थे, वह भी कांग्रेस के अध्यक्ष की हैसियत से नहीं, बल्कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से। क्या विपक्ष के नेताओं की शपथ ग्रहण समारोह से दूरी को उचित ठहराया जा सकता है? क्या यह जनादेश का अपमान नहीं है? क्या यह इस बात का संकेत नहीं है कि पिछली लोकसभा की तरह विपक्ष इस बार भी नकारात्मक मानसिकता के साथ संसद में सरकार से आर या पार की जंग की राह पर है?

जाहिर तौर पर नकारात्मक राजनीति का लाभ किसी को हासिल नहीं होगा। इसकी कीमत विपक्ष को भी चुकानी पड़ेगी। ऐसी राजनीति से लोगों की नजरों में संसद की ही नहीं विपक्ष की भी विश्वसनीयता घटेगी। नतीजे आने के बाद राजग संसदीय दल की बैठक में नरेन्द्र मोदी ने संसद में अच्छी चर्चा, प्रासंगिक-स्वस्थ बहस नहीं होने पर चिंता जाहिर की। प्रधानमंत्री ने सभी दलों से दलहित-निजी हित से ऊपर उठ कर सकारात्मक मानसिकता के साथ नई लोकसभा में अपना-अपना योगदान देने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री के इस आह्वान और सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए। संसद में स्वस्थ, सार्थक और परिणामोन्मुखी चर्चा हो। ऐसी चर्चा और ऐसा विमर्श जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिले। ऐसी चर्चा जो यह साबित करे कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं बल्कि सबसे संजीदा लोकतंत्र भी है। दल व जनप्रतिनिधि यह न भूलें कि संसद देश के करोड़ों लोगों

बैंकिंग रिफॉर्म

आर.के. सिन्हा

साइबर ठगों व करप्शन से बचाना होगा बैंकों को

नरेन्द्र मोदी सरकार के केन्द्र में लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने के बाद एक उम्मीद पैदा हुई है कि सरकार अब बैंकिंग सेक्टर को अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाती रहेगी। बीते कुछ सालों के दौरान, भारतीय बैंकों ने जितने उतार-चढ़ाव झेले हैं, शायद किसी अन्य देश ने नहीं झेला होगा। कई भारतीय बैंक अनेक घोटालों-घपलों, ऋण अदायगी न होने, जालसाजियों, अनर्जक परिसम्पत्तियों (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) के बढ़ते बोझ, कर्जमाफी की गलत नीतियों आदि के कारण कई बार तो पूरी तरह डूब गए या भारी घाटे में चले गए। इससे निपटने के लिए पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने कुछ कदम भी उठाए, लेकिन, इनके आधे-अधूरे कार्यान्वयन से आशातीत सफलता नहीं मिली।

लेकिन, राहत की बात है कि मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में फैली गड़बड़ियों को दूर करने के लिए अनेक फौरी कदम उठाए, जिससे बैंकों की स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। अनेक बैंक न सिर्फ घाटे से उबर कर लाभ की ओर अग्रसर हैं, बल्कि अनेकों घोटालों पर लगाम भी लगी है। अनेक घोटालेबाजों की सम्पत्ति कुर्क कर ऋण वसूली भी की गई है, बैंकों का पुनर्पूजीकरण किया गया और अनर्जक परिसम्पत्तियों का बोझ काफी कम हुआ है। क्या यह सुखद स्थिति नहीं है कि 2013 से 2017 के बीच बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियां 12.47 प्रतिशत थी, जो धीरे-धीरे लुढ़कते हुए सितंबर 2023 में 3.2 प्रतिशत हो गई, भले ही इसमें सरकार द्वारा बैंकों के पुनर्पूजीकरण का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा। अब सवाल यह है कि क्या बैंकों में सुधार की वर्तमान स्थिति भविष्य में भी जारी रहेगी या "लौट के बुद्धु घर आए" की कहावत चरितार्थ होगी?

भारतीय बैंक इस तथ्य के साक्षी हैं कि देश की आजादी से पहले और बाद में भी वे डूबते रहे या भारी घाटा सहते रहे हैं। यह उबड़-खाबड़ स्थिति सोचने को विवश करती है कि जब तक लंबे समय तक सुधार प्रक्रिया जारी नहीं रहेगी, तब तक समस्या का स्थायी निराकरण संभव नहीं है। इस विषय पर वरिष्ठ लेखक श्रीपाल जैन की हालिया प्रकाशित पुस्तक – "भारतीय बैंकों का बदलता चेहरा" उपरोक्त विविध पहलुओं का बखूबी विश्लेषण करती है। आज़ादी से पहले और बाद में बैंकों में घोटालों, महाघोटालेबाज़ों, जालसाजी के हथकंडों, बैंकिंग में साइबर अपराधों, येस बैंक के उत्कर्ष एवं पतन, अनर्जक परिसम्पत्तियों के मकड़जाल आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है। साथ ही, बैंकों के निजीकरण की गूंज, कृषि ऋणमाफी के अर्थशास्त्र, नोटबंदी, जन-धन योजना, रिजर्व बैंक की स्वायत्तता, डिजिटल बैंकिंग की बढ़ती लोकप्रियता एवं जोखिम आदि की आलोचनात्मक चर्चा की गई है।

देश में आज़ादी के बाद निजी और सरकारी बैंक दोनों थे, लेकिन, उनमें अनेक घोटाले हुए और कई बैंक डूबे भी। फिर भी, सरकारी बैंक अर्थव्यवस्था की प्रगति एवं व्यवसाय में वृद्धि में एक प्रमुख इंजन रहे। निजी बैंक आम लोगों के आसानी से खाते भी नहीं खोलते थे। जुलाई 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से आम जनता की बैंकों तक पहुंच बढ़ने लगी। इस दौर में अनेक बैंकों का विलय हुआ, जिसके कतिपय सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे। लेकिन धीरे-धीरे सरकारी बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, राजनीतिक हस्तक्षेप आदि से असली और फर्जी कंपनियों को अनाप-शनाप मात्रा में ऋण दिए गए, जिनमें से कइयों की वसूली नहीं हुई या आंशिक वसूली हो पाई। इससे सरकारी और निजी बैंकों दोनों को भारी घाटा हुआ।

1990 के दशक के आरंभ में उदारीकरण की नीति अपनाई गई और कुछ समय के बाद आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस (क्रेडिट कार्य, डेबिट कार्य, चेकों का शीघ्र समशोधन, बीमा. म्यूचुअल फंड खोलना आदि) एच.डी.एफ.सी., आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, येस बैंक जैसे निजी बैंक लोकप्रिय हुए। निजी बैंकों के नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी ने सरकारी बैंकों के सामने तगड़ी प्रतिस्पर्धा पेश कर दी। इससे सरकारी एवं अन्य निजी बैंक भी नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी का सहारा लेने को विवश हुए।

शिव कोई नाम नहीं है

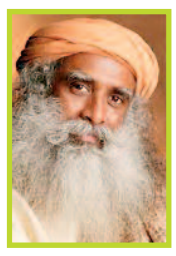

संकलित

दर्शन

सद्गुरु। मनुष्य की प्रकृति को समझने, हर तरह के मनुष्य के लिए एक रास्ता खोजने के अर्थ में, यह वाकई एक शाश्वत या हमेशा बना रहने वाला योगदान है। यह उस युग का या उस युग के लिए योगदान नहीं है। सृष्टि का अर्थ है कि जो कुछ नहीं था, वह एक-दूसरे से मिलकर कुछ बन गया। उन्होंने इस सृष्टि को खोलकर एक शून्य की स्थिति में लाने का तरीका खोजा। इसीलिए हमने उन्हें शिव नाम दिया। इसका अर्थ है 'वह जो नहीं है'। जब 'वह जो नहीं है', कुछ या 'जो कुछ है' बन गया, तो हमने उस आयाम को ब्रह्म कहा। शिव को यह नाम इसलिए दिया गया, क्योंकि उन्होंने एक तरीका, एक विधि नहीं, बल्कि हर संभव तरीका बताया कि चरम मुक्ति को कैसे पाएं, जिसका अर्थ है, कुछ से कुछ नहीं तक जाना। शिव कोई नाम नहीं हैं, वह एक वर्णन है। जैसे यह कहना कि कोई डाक्टर है, वकील है या इंजीनियर है, हम कहते हैं कि वह शिव हैं, जीवन को शून्य बनाने वाले। इसे जीवन के विनाशकर्ता के रूप में थोड़ा गलत समझ लिया गया, लेकिन वह भी सही है। बात मात्र यह है कि जब आप 'विनाशकर्ता' शब्द का इस्तेमाल करते हैं, तो लोग उसे बुरा समझ लेते हैं। अगर किसी ने 'मुक्तिदाता' कहा होता तो उसे अच्छा माना जाता। धीरे-धीरे 'शून्य करने वाला', 'विनाशकर्ता' बन गया और लोग यह सोचने लगे कि वह बुरे हैं। आप उन्हें कुछ भी कहिए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता- बुद्धिमत्ता की प्रकृति यही है। अगर आपकी बुद्धिमत्ता एक ऊंचाई पर पहुंच जाती है, तो आपको किसी नैतिकता की जरूरत नहीं होगी।

संतान गुस्सा हो तो शांत करने की कोशिश करें

संकलित

प्रेरणा

पुराने समय में एक दिन शिव जी और पार्वती जी ने विचार किया कि अब गणेश और कार्तिकेय का विवाह कर देना चाहिए। ये विचार करने के बाद उन्होंने कार्तिकेय स्वामी और गणेश जी को बुलाया और दोनों से कहा कि आप दोनों में से जो इस संसार की परिक्रमा करके पहले आएगा, हम उसका विवाह पहले कराएंगे। कार्तिकेय स्वामी तो अपने वाहन मोर पर बैठकर तुरंत उड़ गए, लेकिन गणेश जी अपने वाहन चूहे पर बैठे हुए थे। गणेश जी ने ने तुरंत ही माता-पिता की परिक्रमा कर ली और कह दिया कि आप दोनों ही मेरे लिए संसार हैं। दूसरी ओर, कार्तिकेय स्वामी को संसार की परिक्रमा करके लौटने में थोड़ा समय लग गया। जब कार्तिकेय स्वामी परिक्रमा करके लौटे तो उन्होंने देखा कि गणेश का विवाह हो गया है। गणेश जी को विवाहित देखकर कार्तिकेय स्वामी नाराज हो गए। उन्होंने शिव-पार्वती से कहा कि आपने ये सही नहीं किया है। क्रोधित होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर चले गए। ये क्रौंच पर्वत आज दक्षिण भारत में कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। इसे श्रीपर्वत भी कहते हैं। शिव जी और देवी पार्वती ने कार्तिकेय स्वामी को समझाने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन कार्तिकेय शांत नहीं हुए। शिव-पार्वती समझ गए कि कार्तिकेय बहुत ज्यादा गुस्से में है और ये वापस भी नहीं आएगा। तब दोनों ने तय कि वे ही कार्तिकेय से मिलने जाते रहेंगे। इसके बाद हर अमावस्या पर शिव जी और पूर्णिमा पर देवी पार्वती कार्तिकेय से मिलने श्रीपर्वत पर आती हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

कैसे पूरा होगा वन महोत्सव का उद्देश्य

हमारे देश में 1 से 7 जुलाई तक वन महोत्सव सप्ताह मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य वनों की सुरक्षा और वनों की कटाई से जीव-जंतुओं पर जो प्रभाव पड़ता है, उसके प्रति जागरूकता फैलाना भी है। बरसात के मौसम में अगर पौधे लगाए जाएं तो यह इस मौसम में बहुत अच्छे तैयार होते हैं। इसलिए जिन लोगों के घरों में पौधे लगाने की जगह है, वो एक पौधा तो जरूर लगाएं। हालांकि बरसात के मौसम में कुछ राज्य सरकारें अपने यहां पौधे लगाने के लिए विशेष अभियान चलाती हैं। एनजीओ, समाजसेवी संस्थाएं और अन्य लोग भी इसके लिए काम करते हैं। अमरनाथ गुफा में शिवलिंग के समय से पहले पिघलने की खबर है। इससे यह साबित होता है कि धरती पर तापमान बढ़ रहा है, अत: पौधे लगाएं।- *पवन गुप्ता, धमतरी*

ट्रेंड

वातावरण के साथ जुड़ाव

ऐसे स्थान हैं जो हमें याद दिलाते हैं कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं। पहाड़, जंगल, नदियाँ और समुद्र तट हमारे भीतर की किसी गहरी चीज़ को आकर्षित करते हैं। आज जैसे ही मैं समुद्र के किनारे चली, मुझे आस-पास के वातावरण के साथ एक जुड़ाव महसूस हुआ।

-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

मजबूत संबंध

मास्को पहुंच गया हूं। दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और अधिक गहरा करने की आशा है, विशेषकर सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों में। हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बजट ही बिगाड़ दिया

कोई एक सब्जी का नाम बताए जो 45 रुपए किलो से कम हो? आलू, प्याज, टमाटर, भिंडी, हरी मिर्च, गोभी, अदरक, शिमला मिर्च, तुरई, बैंगन, लहसुन के भाव आसमान छू रहे है। दाल,चावल, नमक, तेल ,घी की कीमतों में बढ़ोतरी ने आम आदमी का बजट ही बिगाड़ दिया है।

-तेजस्वी यादव, राजद नेता

कोई समस्या नहीं आएंगी

जीवन में बड़ा लक्ष्य बनाएं। हम जैसे ही सत्य और उच्च लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे तो मार्ग में मान-सम्मान, यश-अपयश, हानि-लाभ, जय-पराजय जैसी अवस्थाएं स्वाभाविक रूप से आएंगी, किन्तु जीवन में कोई भी समस्या बाधित नहीं कर पाती है।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

करंट अफेयर

चिकित्सकों के साथ गतिरोध खत्म करेगा दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया ने सोमवार को कहा कि वह देश में लंबे समय से चिकित्सकों के साथ जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए, हड़ताल कर रहे चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित करने की अपनी पहले की योजना वापस लेगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार की घोषणा के बाद, हड़ताल कर रहे कितने हजार चिकित्सक काम पर लौटेंगे। स्वास्थ्य मंत्री चो क्यो हौंग ने सोमवार को कहा कि सरकार ने हड़ताल कर रहे चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित न करने का फैसला किया है, चाहे वे अपने अस्पतालों में काम पर लौटें या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले का उद्देश्य आपातकालीन तथा गंभीर रूप से बीमार मरीजों का इलाज कर रहे

ऑफ बीट

16 कीड़ों का होगा सिंगापुर में भोजन के रूप में इस्तेमाल

सिंगापुर के खाद्य नियामक ने मनुष्यों के भोजन के रूप में झींगुर, टिड्डे और टिड्डियों जैसे कीड़ों की लगभग 16 प्रजातियों के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है।

'द स्ट्रेट्स टाइम्स' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, यह बहुप्रतीक्षित घोषणा उद्योग जगत के उन कारोबारियों के लिए खुशखबरी है जो चीन, थाईलैंड और वियतनाम में मिलने वाले कीड़ों की सिंगापुर में आपूर्ति और खानपान का कारोबार करते है। भोजन के लिए स्वीकृत कीड़ों में झींगुर, टिड्डे, टिड्डियां, मीलवर्म (भोजनकृमि) और रेशमकीट की विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं। सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने कहा कि जो लोग मानव उपभोग या पशुधन के चारे के लिए कीड़ों का आयात या पालन करना चाहते

संक्षेप

अमरोहा में शादी के 77वें दिन महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा के गजरौला में शादी के 77वें दिन महिला की मौत हो गई। महिला का शव ससुराल में उसके कमरे में पंखे से झूलता मिला। बेटी की मौत के बाद मौके पर पहुंचे मायके के लोगों ने बेटी को दहेज के खातिर हत्या करने का आरोप लगाया और हंगामा किया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया। साथ ही पुलिस ने मायके वालों की तहरीर पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। हसनपुर कोतवाली इलाके के गांव झुंडी माफी की रहने वाली 21 वर्षीय तारा की शादी बीती 23 अप्रैल को गजरौला थाना इलाके के गांव काकाठेर निवासी महेश पुत्र रामौतार के साथ हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ही ससुराल के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर आए दिन उसके साथ मारपीट करते थे। आसपास के ग्रामीणों के मुताबिक एक दिन पहले भी विवाहिता का पति से झगड़ा हुआ था। लेकिन आज सुबह यानी मंगलवार को विवाहिता का शव उसके कमरे में छत के पंखे से झूलता मिला। विवाहिता की मौत की खबर सुनते ही ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। उधर शादी के 77वें दिन बेटी की मौत की खबर सुनते ही मायके के लोग भी बेटी को ससुराल आ गए। उन्होंने बेटी की हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। साथ ही पुलिस को भी मौके पर बुलाया। इसके बाद पुलिस ने शव को पीएम को भेज दिया है। उधर इस मामले में थाना प्रभारी हरीश वर्धन सिंह ने बताया कि विवाहिता की मौत के मामले में दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

काले सिंह दोबारा बने भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

हसनपुर, अमरोहा के हसनपुर में भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत में ब्लाक कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। जिसमें बैठक में उपस्थित सभी किसानों द्वारा सर्वसम्मति से काले सिंह को एक बार फिर ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया। बता दें कि मंगलवार को नगर के अमरोहा मार्ग स्थित मंडी समिति के प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत का आयोजन हुआ। पंचायत में किसानों द्वारा मांग की गई कि मध्य गंगा नहर में जल्द से जल्द पानी छोड़ा जाए, जिससे किसानों को खेती करने में सहयोग मिल पाए। इसी के साथ उन्होंने कहा कि कोई भी किसान अपने निजी नलकूप पर विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे मीटर नहीं लगवाई जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में छुट्टा पशुओं के कारण किस को भारी परेशानी हो रही है। अतः प्रशासन जल्द से जल्द इन छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गौशाला भिजवाए। पंचायत के अध्यक्षता महावीर सिंह ने की तथा संचालन नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष काले सिंह द्वारा किया गया। पंचायत में प्रदेश महासचिव महावीर सिंह चौहान, सीता आर्य, हरिओम सिंह, शीशपाल सिंह, संजीव बालियान, कुंवर पाल सिंह, कृपाल सिंह, महेश, डीपी ठाकुर, ठाकुर महेश सिंह, कैलाश सिंह समेत अन्य किसान मौजूद रहे।

आपातकाल को काला दिवस के रूप मे मनाकर जताया विरोध

कांग्रेस सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल लोकतंत्र पर हमला: मुकुट बिहारी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज के ब्लाक सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम मे देश मे काग्रेस सरकार द्वारा लगाये गये आपातकाल को काला दिवस के रूप मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री विनोद कुमार एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन पूर्व विधानसभा प्रत्याशी विधानसभा संयोजक गौरव वर्मा ने किया।कार्यक्रम के दौरान देश में कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक चली इस अवधि को लोकतंत्र पर हमला बताया। उन्होंने आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की। काला दिवस मनाने का उद्देश्य युवाओं को आपातकाल के इतिहास और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना था।कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष शिव सहाय सिंह,विधानसभा प्रभारी पवन तिवारी,जिला उपाध्यक्ष सूबेद वर्मा,जिला मंत्री संजय राव,मंडल प्रभारी प्रमोद गुप्ता सीताराम पांडे, ओम प्रकाश अवस्थी पवन वर्मा प्रदीप पांडे, शशिभूषण सिंह , गजेन्द्र सिंह, रामसतीश वर्मा , बुद्धिसागर गुप्ता ,मीडिया प्रभारी नीरज श्रीवास्तव, शिवानन्द सिंह, ओमप्रकाश विश्वकर्मा ,दिनेश तिवारी जी मंडल महामंत्री जरवल , प्रदीप जयसवाल , राम सिंह वर्मा , उपाध्यक्ष कैसरगंजअजय सिंह , विनोद वर्मा , बृजेश सिंह, मंडल मंत्री कैसरगंज विवेक शर्मा , हीरालाल मौर्य , किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष कैसरगंज मनोहर लाल वर्मा, ऋषि राजपूत , सोशल मीडिया सहसंयोजक विधानसभा अनिल वर्मा, सभासद प्रतिनिधि जयप्रकाश एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति लोकतंत्र सेनानी गण उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

संतुलित जनसंख्या ही समृद्ध और स्वस्थ समाज का आधार: डा0 एनके सिंह

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज में अधीक्षक डा. एन. के. सिंह के नेतृत्व में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण और इसके महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना है। रैली में स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।रैली की शुरूआत स्वास्थ्य केंद्र से हुई और यह नगर पंचायत के प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस केंद्र पर समाप्त हुई। रैली में शामिल लोग विभिन्न प्रकार के पोस्टर और बैनर लिए हुए थे, जिन पर जनसंख्या नियंत्रण के संदेश लिखे हुए थे। डॉ. एन. के. सिंह ने जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए परिवार नियोजन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि संतुलित जनसंख्या ही समृद्ध और स्वस्थ समाज का आधार होती है। इस दौरान परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों और सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। रैली के समापन पर डॉ. सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया और जनसंख्या नियंत्रण में योगदान देने का आह्वान किया। इस मौके पर बीपीएम आदित्य गुप्ता, बीसीपीएम राम प्रताप आदि मौजूद रहे।

राज्य विधिज्ञ परिषद प्रयागराज के सह चेयरमैन का अधिवक्ताओ ने किया स्वागत

अधिवक्ताओ को दी गयी आर्थिक सहायता व इलाज के लिए धनराशि की स्वीकृति

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। उ०प्र० राज्य विधिज्ञ परिषद प्रयागराज के सह चेयरमैन प्रदीप कुमार सिंह गुरूवार को बार भवन कैसरगंज में पहुचे। जहां अधिवक्ताओ ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होने अधिवक्ता शाहिद खां,जियाउद्दीन कादरी, राजकुमार मौर्य, सुन्दरलाल व विनोद कुमार मिश्रा को आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। तथा कुछ अधिवक्ताओं को उनकी बीमारी को देखते हुए इलाज के लिए धनराशि की स्वीकृत दी गयी गयी।उन्होने भारत सरकार द्वारा प्रकाशित नये कानून एवं राजस्व संहिता- की पुस्तकें भी अधिवक्ता संघ कैसरगंज को भेंट की गयी। श्री सिंह ने हमेशा अधिवक्ताओ के हित में काम करते रहने का संकल्प लिया। इस मौके पर बार एशोसिएसन कैसरगंज के अध्यक्ष बृजेश प्रसाद मिश्रा, महामन्त्री ज्ञानबाबू वर्मा, पूर्व-अध्यक्ष विनोद सिंह चौहान, विजय प्रताप सिंह, एल्टर्स कमेटी के चेयरमैन भगौती प्रसाद राव, विनोद सिंह विसेन, दयाराम यादव, मनोज कुमार सिंह, योगेश कुमार मिश्रा,शिवम सिंह बिसेन,बालकराम सरोज, सतीश यादव स्वम् अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कृषि भवन सभागार में एफपीओ की बैठक हुई संपन्न

कृषि उत्पादक संगठनों को और मजबूत बनाने के बारे में हुई चर्चा

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। किसनों की आय दोगुनी करने तथा कृषि उत्पादक संगठनों एफपीओ को मजबूत बनाने के लिए कृषि उपनिदेशक की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने कृषि उत्पादक संगठनों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की।कृषि भवन सभागार में कृषक उत्पादक संगठनों के लाईसेन्स संतृप्तीकरण अभियान के अंतर्गत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित उप-संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी,कैसरगंज/एफपीओ नोडल अधिकारी शिशिर कुमार वर्मा द्वारा बताया गया कि अपर सचिव, भारत सरकार के निर्देश के क्रम में भारत सरकार की दस हजार एफपीओ एवं आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजनान्तर्गत गठित एफपीओ को इनपुट लाईसेन्स (खाद, बीज, एवं कीटनाशी), जी.एस.टी., मंडी, व फूड सेफ्टी लाईसेंस मार्केट लिंकेज हेतु ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफार्म जैसे ओएनडीसी, ई-नाम से जोड़ने हेतु आगामी 03 माह के लिए संतृप्तीकरण अभियान चलाया गया है। बैठक में उपस्थित डीडीएम, नाबार्ड कैलाश जोशी ने बताया कि जो शासन की ओर से 100 दिनों का संतृप्तीकरण अभियान चलाया जा रहा है। उसके तहत एफपीओ के इनपुट लाईसेंस बनवाने के बाद उन्हें ओ.एन.डी.सी. प्लेटफार्म पर रजिस्टर्ड कराना होता है जिससे एफपीओ/कृषकों को ट्रेडिंग करने में आसानी होती है , इसके साथ ही उन्होंने बताया कि भारत सरकार की ओर से सभी संस्थागत एफपीओ को इक्विटी ग्रांट के रूप में एफपीओ के विकास हेतु 15 लाख तक की धनराशि प्रदान की जाती है। बैठक में उपस्थित नवागंतुक जिला कृषि अधिकारी सूबेदार यादव ने बताया कि खाद और बीज का लाईसेंस के कार्यालय से निर्गत होता है जबकि कीटनाशी लाईसेंस जिला कृषि रक्षा अधिकारी के कार्यालय से निर्गत होता है। उन्होंने बताया कि बीज के लाईसेंस के लिए कृषि स्नातक की डिग्री अनिवार्य नहीं है जबकि खाद के लाईसेंस के लिए कृषि स्नातक अनिवार्य है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर किसी एफपीओ/कृषक के पास कृषि स्नातक की डिग्री नहीं है उसके लिए 15 दिवस का डिप्लोमा कोर्स होता है जोकि मैनेज, हैदराबाद द्वारा कराया जाता है जिसके लिए पहले से पंजीकरण कराना अनिवार्य होता है। उप-निदेशक कृषि टी.पी.शाही ने बताया कि जनपद में अब तक 73 कृषक उत्पादक संगठन का गठन कराकर उनका यूपी एफपीओ शक्ति पोर्टल पर पंजीकरण कराया जा चुका है। जिसमें से भारत सरकार की संस्थाओं द्वारा बनाये गये 30 एफपीओ को संतृप्तीकरण अभियान हेतु चयन किया गया है। उप-निदेशक कृषि ने उपस्थित समस्त एफपीओ निदेशकों/सीईओ को निर्देशित किया कि भारत सरकार के 100 दिनों के संतृप्तीकरण अभियान के अंतर्गत सभी लाईसेंसों को जल्द से जल्द बनवाकर उनका ओ.एन.डी.सी. प्लेटफार्म पर पंजीकरण कराकर व एफपीओ शक्ति पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें जिससे जनपद के सभी एफपीओ की रेटिंग अच्छी हो सके तथा सम्बंधित एफपीओ खाद, बीज व उर्वरक आदि लाईसेंस प्राप्त करने के बाद कृषि निवेश विक्रय प्रतिष्ठान स्थापित कर समय से व उचित दर पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि संतृप्तीकरण सम्बंधित समीक्षा बैठक माह में 02 बार कराई जाएगी जिसमें सभी एफपीओ का डाटा एफपीओ शक्ति पोर्टल पर अपडेट कराया जायेगा। इस अवसर पर टेक्निकल सपोर्ट यूनिट लखनऊ से अरविन्द मिश्रा, चार्टर्ड अकाउंटेंट ब्रिजेश मिश्रा प्राविधिक सहायक कृषि प्रदीप कुमार, भारत सरकार की संस्थाओं नाबार्ड, एस.एफ.ए.सी., एन.सी.डी.सी., व एन.आर,एल.एम. के जिला प्रतिनिधि तथा गठित एफपीओ के मुख्य निदेशक व उनके सीईओ मौजूद रहे।

आजम खान के रिजॉर्ट को बुलडोजर से ढहाया

- पत्नी और बेटे के नाम पर है; भाजपा विधायक ने की थी शिकायत

अमन लेखनी समाचार

रामपुर, रामपुर में आजम खान के हमसफर रिजॉर्ट पर 4 घंटे तक बुलडोजर चला। प्रशासन की टीम मंगलवार सुबह 8 बजे 3 बुलडोजर और भारी फोर्स लेकर रिजॉर्ट पहुंची। दोपहर 12 बजे तक ढहाने का काम चलता रहा। रिजॉर्ट आजम की पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्लाह के नाम है। यह ग्राम समाज की जमीन पर बनाया गया था। प्रशासन ने इसे ढहाने का नोटिस दिया, तो तंजीन फातिमा कोर्ट चली गई थीं। वह कोर्ट में केस हार गई थीं। रिजॉर्ट में 380 स्क्वायर मीटर में किए गए निर्माण कार्य को ढहा दिया गया। इसमें बाउंड्रीवाल, एक इमारत और लॉन शामिल है। हमसफर रिजॉर्ट कुल 20 बीघे जमीन पर बना है।

अयोध्या में डीसीएम चालक की जिंदा जलकर मौत

- प्रयागराज हाईवे पर रात 1 बजे ट्रक-डीसीएम में टक्कर के बाद लगी आग

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, अयोध्या के कोतवाली नगर के प्रयागराज हाईवे पर रात एक बजे हुई बेकाबू डीसीएम खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इसमें डीसीएम चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा हाईवे पर रामजी समोसा की दुकान के पास हुआ। डीसीएम ड्राइवर रवि शंकर मिश्रा कोतवाली बीकापुर के परूवा गांव का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार- ट्रक थाना पूरा कलंदर के बिरौली महमूदपुर निवासी संतोष वर्मा की थी। घटना का कारण डीसीएम का टायर फटने के बाद खड़ी ट्रक से टकराना बताया जा रहा है।

मिल्कीपुर में 10 लेखपालों का हुआ ट्रांसफर

लंबे समय से एक ही जगह पर थी तैनाती, दो पर लगे थे गंभीर आरोप

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, अयोध्या के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र में लंबे समय से तैनात 10 लेखपालों का डीएम नीतीश कुमार ने स्थानांतरण किया है। तहसील क्षेत्र में तैनात लेखपाल विरतन्ती को मिल्कीपुर से बीकापुर, बलदेव प्रसाद तिवारी को मिल्कीपुर से सोहावल, प्रेम प्रकाश को मिल्कीपुर से रुदौली, राजेश श्रीवास्तव, राम अवतार वर्मा को मिल्कीपुर से सदर, बुद्धिराम, मुन्ना सिंह को मिल्कीपुर से बीकापुर, मुकेश कुमार सिंह, विक्रम, लालचंद को मिल्कीपुर से रूदौली ट्रांसफर कर दिया गया है। जिन लेखपालों का तबादला किया गया है, वह तहसील क्षेत्र में विवादों के कारण चर्चा में थे। लेखपाल बुद्धिराम निर्वाचन का कार्य मिल्कीपुर में कई वर्षों से देख रहे थे। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इनका विरोध किया था। इनके ऊपर लोगों द्वारा यह आरोप लगाए जा रहे थे कि बड़ी संख्या में मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से गायब कर दिए थे। जिसके चलते मतदान के महापर्व में हुए लोग हिस्सा नहीं ले सके थे। लोगों ने इसकी शिकायत एसडीएम से भी की थी, लेकिन उसे वक्त ना तो कोई कार्रवाई हुई और ना ही लोग अपने मताधिकार का प्रयोग ही कर पाए थे। तहसील क्षेत्र के बहुचर्चित लेखपाल बलदेव प्रसाद तिवारी पर आए दिन सरकारी भूमि पर कब्जे जारी करवाने के आरोप लगते चले आ रहे थे। लेकिन तहसील के अधिकारियों में अच्छी पकड़ रखने के चलते उनका स्थानांतरण भी इधर से उधर नहीं किया जा रहा था।

एसडीएम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक स्थानांतरण किए गए सभी लेखपालों की तैनाती लंबे समय से एक ही जगह थी। जिसके चलते तबादला किया गया है।

नेपाल से पानी छोड़ने पर बने बाढ़ जैसे हालात

- सैकड़ों बीघा धान की फसल डूबी, गांवों में भरा पानी

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर में दो दिनों तक लगातार हुई बारिश और पड़ोसी मुल्क नेपाल से भारी मात्रा में पानी छोड़ने से सिद्धार्थनगर में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। जिले के शोहरतगढ़ इटवा, डुमरियागंज तहसीलों के दर्जनों गांव मैरुण्ड और सैकड़ों एकड़ धान की फसल बर्बाद होने की कगार पर पहुंच चुकी है। सिद्धार्थनगर जिला हर साल बाढ़ की विभीषिका को झेलता है। जब भी नेपाल में पहाड़ों पर बारिश होती है तो जिले से गुजरने वाली राप्ती, बूढ़ी राप्ती, बानगंगा नदियां उफान पर आ जाती हैं। मौजूदा समय में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए आने जाने से लेकर खाने पीने की चीजों के लिए काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि हर वर्ष बाढ़ से बचाव को लेकर करोड़ों रुपये खर्च किये जाते हैं। लेकिन लोगों की परेशानियों में कोई भी कमी देखने को नहीं मिलती। इसका मलाल लोगों को हमेशा से रहता है। शोहरतगढ़ तहसील के खैरिशीतल, टीकर, करौता, नकोलडेह, सहित दर्जनों गांव के लोगों का कहना है कि यहां बाढ़ हर साल आती है। थोड़ी सी बारिश होने पर गांव पानी से भर जाते हैं। जब बाढ़ आती है तो जनप्रतिनिधि और प्रशासन के आलाधिकारी भी आते हैं। बाढ़ से बचाव का प्रबंध करने का वादा करके चले जाते हैं। लेकिन समस्याओं का समाधान नही होता। उनकी परेशानियां जस की तस हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक बांध बना कर गांव की सुरक्षा नहीं की जाएगी। तब तक यहां के हालात ऐसे ही रहेंगे। शोहरतगढ़ तहसील के बाढ़ प्रभावित गांव खैरी शीतल का दौरा करने आये जिलाधिकारी राजा गणपति आर ने कहा कि जिले की पांचों तहसीलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाढ़ के बचाव के लिए जिले में पहले से 39 तटबन्ध बनाये गए हैं। जिनकी लंबाई 454 किलो मीटर है। जिलाधिकारी ने कहा कि यहां पर आकर उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से बात की है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवती की मौत

ग्रामीणों ने की शव की पहचान, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

अमन लेखनी समाचार

हापुड़, हापुड़ में कुचेसर रोड चौपला पर रेलवे फाटक के पास सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतका के परिजनों की मौजूदगी में शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वहीं युवती के शव को देख परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सुबह ग्रामीणों द्वारा पुलिस कों सूचना मिली थी कि कुचेसर रोड रेलवे फाटक पर एक युवती की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतका की शिनाख्त कराने का प्रयास में जुट गईं। युवती की शिनाख्त करने पर भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति की ने पहचान की। व्यक्ति ने बताया कि यह युवती गांव मुबारिकपुर की रहने वाली सोनिया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मृतका के परिजनों को मौके पर बुलवाया। तब तक काफी संख्या में ग्रामीण भी मौके एकत्र हो चुके थे। पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम को भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि युवती की शिनाख्त गांव मुबारिकपुर की रहने वाली सोनिया (25) वर्षीय के रूप में हुई है। मृतका के ट्रेन की चपेट में आने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

आयोध्या में एसएसपी ने दरोगा को किया सस्पेंड

- मुकदमे में मृत व्यक्ति का बयान दर्ज किया था, जांच रिपोर्ट के बाद हुई कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, अयोध्या के खण्डासा थाने में तैनात रहे एक दरोगा पर मुकदमे की विवेचना में लापरवाही करना महंगा पड़ गया है। ररढ अयोध्या राजकरन नैय्यर ने मामले का संज्ञान लेते हुए लापरवाही के आरोपी दरोगा उपनिरीक्षक राहुल पाण्डेय को निलंबित कर दिया है। बताते चलें कि खण्डासा थाना क्षेत्र के इछोई गांव निवासी अधिवक्ता पवन पाण्डेय ने 2 जुलाई 2019 को खण्डासा पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि इच्छोई पूरे रजऊ मिश्र गांव निवासी नन्द कुमार मिश्र पुत्र शुभ करन मिश्र मेरे कब्जे वाले गाटा संख्या 1087 के तीन बीघे जमीन में बोई अरहर की जुताई कर दी थी। पीड़ित पवन पाण्डेय की तहरीर के आधार पर पुलिस ने 3 जुलाई 2019 को मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दिया था। मुकदमे की विवेचना कर रहे उप निरीक्षक राहुल पाण्डेय द्वारा की गई। जहां विवेचक ने दौरान पर्चा नंबर 5 में बतौर साक्षी राम अचल दुबे पुत्र शंभू दत्त का बयान अंतर्गत धारा 161 दर्ज किया गया है। उस भूमि की षष्ठ वार्षिक खतौनी का अवलोकन किया। खतौनी के मुताबिक दर्ज किए गए साक्षी राम अचल दुबे मृतक हो चुके थे। जिसके साक्ष्य स्वरूप षष्ठ वार्षिक खतौनी संलग्न पत्रावली है। जिसमें राम अचल दुबे को मृतक होने की स्थित में उनके सगे बेटे रमाकांत दुबे को उनका जायज वारिस मानते हुए उनके नाम दाखिल खारिज का उल्लेख किया गया है। अधिवक्ता पवन पाण्डेय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 (2) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत करने के लिए 2 जुलाई 2024 को थाना खण्डासा पुलिस को तहरीर दिया।

संक्षेप

कोचिंग गई छात्रा लापता , केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर।सहजनवा थाना क्षेत्र के वार्ड 16 लुचई में किराए के मकान में रहकर मजदूरी करने वाली एक पीड़िता की 16 वर्षीय किशोरी जो सहजनवा स्थित एक इंटर कालेज में 10 की छात्रा है।9 जुलाई को छात्रा कोचिंग करने के लिए घर से निकली थी। लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंची।परिजन खोजबीन किए लेकिन पता नही चला। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है।

बाल संरक्षण इकाई ने रुकवाई नाबालिग कि शादी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, सोनभद्र में बाल संरक्षण इकाई की सक्रियता से बालिका वधू बनने से बचा लिया गया।नाबालिग की शादी करना/ कराना अपराध बताते हुए जहां परिजनों को, कार्रवाई की चेतावनी दी गई।बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया गया। जिसे बाल गृह मे बालिका को आवासित कर दिया गया है। चाईल्ड हेल्पलाइन को सूचना प्राप्त हुई कि राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के रौप गांव स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर पर एक नाबालिग बालिका की शादी कराई जा रही है।इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी पुनीत टंडन ने जिला बाल संरक्षण इकाई से ओआरडब्ल्यू शेषमणि दूबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से केस वर्कर सीमा शर्मा, अनिल यादव, सुधा सहित टीम गठित करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया। चौकी चुर्क से समन्वय स्थापित करते हुए टीम पंचमुखी पहाड़ी पहुंची।वहां 16 वर्षीय किशोरी की शादी होती पाई गई। तत्काल शादी रुकवाते हुए पीड़िता को विधिक अभिरक्षा मे ले लिया गया।केस वर्कर सीमा शर्मा ने बताया कि बालिका की काउंसलिंग के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में दो ट्रकों की टक्कर

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, जौनपुर के बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के सरोखनपुर से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर सोमवार को दो ट्रकों मे आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद एक ट्रक बगल में स्थित खाई में चली गई। जबकि दूसरी ट्रक डिवाइडर से टकराती हुई सड़क के उस पार चली गई।हादसे में चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर लाया गया।जहां डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वाराणसी लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सरोखनपुर के पास एक ट्रक का फिल्टर खराब हो जाने पर चालक और खलासी ट्रक किनारे खड़ी कर ठीक कर रहे थे।इसी बीच पीछे से आयी दूसरी ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें 35 वर्षीय कुलविंदर सिंह हरियाणा, 38 वर्षीय अवधेश तथा 45 वर्षीय बीरेंद्र को गंभीर चोट आई।

कर कंतेनर शत प्रतिशत वसूल किया जाए - एडीएम वित्त

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। एडीएम वित्त विनीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में कर को बढ़ाने का दिया गया निर्देश। कर कंतेनर अधिकारियों के साथ एडीएम वित्त विनीत कुमार सिंह बैठक कर शत प्रतिशत राजस्व वसूली करने का दिया निर्देश एडीएम वित्त ने अधिकारी को निर्देशित किया कि किराना मिठाई दवाई सहित अन्य दुकानों पर कर वसूली को बढ़ाने के लिए कंप्यूटर में ऐसा डिवाइस लगाया जाए जिसको संबंधित अधिकारी कभी भी जाकर चेक कर सके कि उनके कंप्यूटर से कितनी पर्चियां निकली हैं जिससे दुकानों पर होने वाली कर चोरी रुक कर राजस्व वसूली अधिक से अधिक बढ़ाया जाए यह तभी संभव है जब संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए दुकानों पर होने वाली बिक्री को सही तरीके से ना दर्शा कर कंप्यूटर में करो को कम दर्शा कर चोरी करने का कार्य किया जाता है इस को रोकना नितांत आवश्यक है कर अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रतिदिन रूटीन के विपरीत दुकानों को चेक कर राजस्व वसूली को शत प्रतिशत बढ़ाने का कार्य करें।

एडीएम वित्त विनीत कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से राजस्व वसूली में तेजी लाए जाने को कहा इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 100 फीसदी वसूली का कार्य पूरा करें। कर करेत्तर, वाणिज्यकर, स्टांप एवं निबंधन, आबकारी, परिवहन, ऊर्जा, वन विभाग, मनोरंजन कर विभाग, चीनी उद्योग एवं गन्ना विभाग, खनन, कृषि विपणन, मंडी समिति, लोक निर्माण विभाग व भू- राजस्व, नगर विकास, सिंचाई आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई।

आटो चालक यात्री का मोबाइल बैग लेकर फरार, केस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर।गीडा थाना क्षेत्र के जीरो प्वाइंट के पास आटो पर सवार होकर गोरखपुर जा रहे यात्री का आटो चालक मोबाइल,बैग लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से पी के एस मूर्ति पुत्र राममूर्ति निवासी विजय नगर बंदर मखाहु माक्यूर निकोवार अंडमान जो अयोध्या राम मंदिर घूमने आए थे।बस से वह गोरखपुर एयरपोर्ट आ रहे थे। लेकिन बस चालक ने गीडा थाना क्षेत्र के जीरो प्वाइंट के पास उतार दिया।वह आटो पकड़ कर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। अभी आईटीएम कालेज के पहले पहुंचे थे। कि चालक आटो रोक कर उतार दिया। उसी दौरान वह मोबाइल और बैग लेकर फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

ससुराल पक्ष के चार लोगो के खिलाफ दर्ज हुआ केस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। नरकटहा बाजार थाना पनियरा जिला महराजगंज निवासी फकरुद्दीन पुत्र लियाकत अली के बहन की शादी मलऊर उर्फ मुस्तफाबाद निवासी कुर्बान अली के साथ हुई है। ससुराल के लोग बहन को प्रताड़ित कर रहे थे। जानकारी मिलने पर 9 जुलाई को दिन में 11 बजे पिता, भाई, मान बहन के घर पहुंचे तो ससुराल के लोग गाली गलौज करते हुए तीनो को पीट दिए।जिसमे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।पीड़ित के सिर में चोट लगने से बेहोश हो गया था। पुलिस ने अली रजा उर्फ भोला, जुमराती, रोजन, बरकत अली के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

एसडीएम ने बाढ़ प्रभावित गांव का किए निरीक्षक दिए निर्देश

नाविको को लाइफ जैकेट भी वितरित किए

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। बरसात की वजह से आमी नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। जिसे देखते हुए तहसील प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दे रहा है। वृहस्पतिवार को उपजिलाधिकारी सहजनवा दीपक कुमार गुप्ता ने बाढ़ से प्रभावित गहिरा गांव का निरीक्षण किए। जानकारी मिली की यहां 17 सदस्य निवास करते है। उनके आने जाने के लिए तहसील प्रशासन ने नाव की व्यवस्था कर रखा था। उन्होंने मौके पर मौजूद जिम्मेदारों को निर्देश दिए कि बाढ़ से प्रभावित इन परिवारों को हर संभव मदद करे। मौके पर मौजूद नाविकों को लाइफ जैकेट भी वितरित किए। इस दौरान नायब तहसीलदार दुर्गेश कुमार चौरसिया, लेखपाल स्वाति श्रीवास्तव मौजूद थे।

पत्रकार की शॉप में घुसकर उत्पात मचाने वाले दबंगो के विरुद्ध अभियोग दर्ज

बीती पांच तारीख की शाम शॉप पर घुसकर की थी गाली-गलौज व जान से मार देने की धमकी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में बीती पांच तारीख की शाम एक पत्रकार की शॉप पर घुसकर गाली-गलौज व मारपीट करने वाले पिता-पुत्र के विरूद्ध जांचोपरांत कल्यानपुर पुलिस ने बीती शाम अभियोग पंजीकृत कर लिया है तथा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही नियमानुसार की जा रही है।बता दें बीती पांच जुलाई की शाम मुरादीपुर में फास्ट फूड की शॉप सचलित करने वाले एक दुकानदार की शॉप पर पड़ोस में एक मिठाई की दुकान संचालित करने वाले रामसिंह पटेल व उनके पुत्र ने अनायास शॉप पर आकर गाली-गलौज की तथा जान से मार देने की धमकी दी तथा पत्रकारों के लिए भी अपशब्द कहे ! पीड़ित दुकानदार ने थाना स्थानीय पर प्रार्थना पत्र देते हुए कार्यवाही की मांग की थी जिसपर प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर सरोज ने जांचोपरांत निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन दिया था। मामले में चार दिन चली जांच के बाद कल्यानपुर पुलिस ने आरोपी रामसिंह पटेल व रोबित सिंह पटेल के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर सरोज द्वारा बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्यवाही करने पर क्षेत्र के लोगों द्वारा भीनी- भीनी चर्चा एवं कार्य को सराहा गया।

धुआं निकलने को लेकर दो पक्ष भिड़े चार पर केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सहजनवा गोरखपुर।सहजनवा थाना क्षेत्र के भिटहां निवासी लक्ष्ना देवी पत्नी रामलाल यादव की पुत्री घर में खाना बना रही थी। घर खुला होने पर घुआ पड़ोस के घर में जा रहा था। इसी बाद को लेकर विपक्ष गाली गलौज करने लगे थे। लोगो ने समझाबूझा कर मामला शास्त्र कराया 9 जुलाई को पीड़ित मंदिर के पास पौधा लगाया था। जिसे विपक्षी के जानवर ने चार लिया था।विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए मारा पीटा जिसमे सिर में चोट के साथ हाथ टूट गया।और पोखरे में फेक दिए।पुत्री को भी मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने एक पक्ष के रामसेवक, रंजीता, शिवम, उमाकांत के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सड़क किनारे लगे पौधे फैलायेगे हरियाली, नियंत्रित होगा प्रदूषण

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। पर्यावरण प्रदूषण से बचने के लिए सड़क किनारे लगाए गए पौधे मन मोह रहे है।पौधे तैयार हुए तो प्रदूषण नियंत्रण मे भी राहत प्रदान करेगे।मलवा विकास खंड के बडौरी टोल प्लाजा से लेकर रेवाड़ी तक पौधरोपण किया गया है।राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण(एनएचआई) ने सड़क के दोनो ओर छायादार पौधे रोपित कर बकायदे उन्हे बैरीकेट कर सुरक्षित किया है।मानसून आने के साथ ही सुहावने मौसम मे ये पौधे अब हरे हो गए है।हरियाली से खुशहाँली का संदेश देने वाले युवा विकास समिति के प्रवक्ता आलोक गौड़ ने कहा एनएचआई की पहल सराहनीय है।पौधे लगाने से अधिक उन्हे संरक्षित करने पर जोर देने की आवश्यकता है।समाजसेवी अजीत सैनी ने बताया एनएचआई इन पौधों को बचाने के लिए कारगार कदम उठायेगा तो निश्चित ही इन पौधों से यात्रियों को ठंडक मिलेगी और प्रदूषण नियंत्रित करने मे सहारा मिलेगा।जीटी रोड किनारे नेशनल हाइवे पर लगाए गए पौधे तैयार होने पर प्रदूषण को नियंत्रित करेगे।साथ ही विभाग द्वारा दोनो लेन के बीच के डिवाइडर पर लगाए गए पौधे हादसो से बचायेंगे।सड़क के दोनों ओर से निकलने वाले वाहन लेन से रिफ्लेक्शन लाइट टकराने से बचायेंगे तो सड़क किनारे बड़े वृक्ष वाहनो व यात्रियों को ठंडक प्रदान करेगे।

जनपद में कैरियर काउंसिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में जनपद की 67 छात्राओं की कैरियर काउंसिलिंग की गई। यह जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी, फतेहपुर ने बताया कि कमला बालिका इण्टर कालेज, खागा, फतेहपुर में कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला सेवायोजन अधिकारी एवं शशॉक पान्डेय, प्रभारी कॅरियर काउन्सिलिंग जिला सेवायोजन कार्यालय, फतेहपुर द्वारा संस्थान की 67 छात्राओं को जीवन में अनुशासन का महत्व, समय के प्रबंधन, तकनीकी शिक्षा के बाद अवसर स्वतः रोजगार प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी, कॅम्प्यूटर की उपयोगिता एवं भारत सरकार व राज्य सरकार की स्वतः रोजगार से सम्बन्धित योजनाओ के बारे में विस्तार से जानकारी के साथ ही प्रतिभागियों की कॅरियर सम्बन्धी जिज्ञासाओ का समाधान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की प्रधानाचार्य अनामिका द्वारा की गयी। कार्यक्रम में संस्थान की प्रीती यादव, रजंना अग्निहोत्री उपस्थित रही। कार्यक्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय से एम०के०यादव एवं चन्द्रकिशोर उपस्थित रहे।

पसीने की स्याही से नौनिहालों के भविष्य को लिखने को बेताब दिखी वर्तमान पीढ़ी

अमन लेखनी समाचार/ समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड के ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में स्कूल चलो अभियान 2024के तहत ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो रैली का आयोजन किया गया।जिसमें परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों एवं बच्चों ने हिस्सा लिया रैली का शुभारंभ जहानाबाद विधानसभा के विधायक राजेंद्र सिंह पटेल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भारती त्रिपाठी एवम खंड शिक्षा अधिकारी कुँवर सिंह कमल ने नामांकन जागरूकता रथ तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रातः कालीन बेला से विकासखंड परिसर हाथ में स्लोगन वाली पट्टियाँ तथा बैनर लिए बच्चों से गुलजार नजर आ रहा था। नामांकन जागरूकता रथ पर बज रहे स्कूल चलो अभियान के गीत माहौल में और भी चार चांद लगा रहे थे।संचालक शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी तथा कम्पोजिट स्कूल अमौली की बच्चियों के नारों₹पढ़ने लिखने जाएंगे। बकरी नहीं चरायेंगे।₹बेटा बेटी एक समान,सबको शिक्षा सबको ज्ञान।आया शिक्षा का उजियारा, इससे चमके गांव हमारा।₹ पढेगी बेटियां, बढ़ेगी बेटियां।₹देश तो आगे तभी बढ़ेगा,हर बच्चा जब स्कूल चलेगा।₹से अमौली कस्बे की गलियां गूंज उठी। रैली और भी अधिक उत्साह पूर्ण दिख रही थी, क्योंकि सभी अतिथियों ने स्वयं पूरे भ्रमण के दौरान शिक्षकों एवं बच्चों के साथ रहकर हौसला बढ़ाया। कस्बा भ्रमण के पश्चात रैली का समापन विकासखंड मुख्यालय में किया गया।जहां बच्चों को शीतल जल व बिस्किट वितरित किए गए। उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए इस मुहिम के लिए हम सब यहां उपस्थित हैं। उन्होंने शिक्षकों से प्रशासनिक निदेशों को यथावत पालन करने को भी कहा। वही मुख्य अतिथि जहानाबाद विधायक ने कहा कि हम सबको मिलकर माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर स्कूल चलो अभियान को सफल बनाना है।वही उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों का विद्यालय में प्रवेश कराना और उनको नियमित भेजना आपकी जिम्मेदारी है। खंड शिक्षा अधिकारी ने नामांकन जागरूकता रथ के संदर्भ में बताया कि यह रथ दो दिन तक विकासखंड के हर एक गांव में जाएगा। और लोगों को जागरूक करेगा। अतिथियों ने विकास खंड के मेधावी बच्चों कंपोजिट विद्यालय चटिहा के सुमित और नयन प्राथमिक तारापुर की साक्षी पाल एवं लक्ष्मी देवी को तथा कंपोजिट अमौली की अर्चिता और खुशी सहित आधा दर्जन बच्चों को सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुहिम ₹एक पेड़ मां के नाम₹ के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शुभा देवी मनीषा शुक्ला(प्रधानाध्यापिका) ,प्रतिमा उमराव, आदित्य पांडेय, प्रदीप शुक्ला, डा प्रशांत पांडेय, दयाराम गौतम, डॉ राम भक्त वर्मा मंडल अध्यक्ष संतोष गुप्ता, साहब सिंह, शैलेंद्र सचान, मयंक कटियार लक्ष्मीशंकर मिश्र कुंजबिहारी सौरभ उमराव, मो. मोहसिन, विद्यासागर, अशोक, सुशील उत्तम, रामकरन, एवं प्राथमिक विद्यालय चंदीपुर के शिक्षक वीरेंद्र शंखवार सहित समस्त शिक्षक एवं बच्चे मौजूद रहे।

जौनपुर में दो पक्षों में मंचूरियन को लेकर हुई लड़ाई

- दबंगो ने जला दिया घर, जान से मारने की दी थी धमकी, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

जफराबाद, जौनपुर के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र स्थित देवकली गांव में आधी रात को बाइक सवार दबंगों ने एक झोपड़ी व बैलगाड़ी, डीजल इंजन में आग लगाकर जला दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। साथ ही पुलिस जांच में जुट गई। बता दे कि देवकली गांव निवासी राजेश कुमार यादव का पुत्र सदानंद यादव भकुरा मोड़ बाजार के पास मंचूरियन की दुकान पर मंचूरियन खाकर पैसा उधार किया था। रविवार को सदानंद ने मंचूरियन का पैसा देने दुकान पर गया। दुकान मालिक बाबूलाल से उसकी कहासुनी व नोकझोंक हो गई। आरोप है कि जिससे के बाद सदानंद को मारने की धमकी दी।हालांकि सदानंद वहां से वापस घर लौट आया। राजेश कुमार यादव का आरोप है कि आधी रात को मोटरसाइकिल सवार होकर चार लोग उसके घर पहुंचे, लेकिन घर घनी आबादी में होने के चलते वह लोग उसकी पाही पर पहुंचे, जहां राजेश की बैलगाड़ी रिहायसी मड़हा और डीजल इंजन था।जो सभी में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दिए। और देखते- देखते वह धू धू कर जलने लगा। आसपास के लोग दौड़े लेकिन तब तक सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। जिसमें एक आरोपी को पहचान लिया गया। हालांकि घटना के दौरान वहां भारी भीड़ जुट गई और सूचना की पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस नहीं पहुंची। सुबह राजेश कुमार यादव ने सरायख्वाजा पुलिस को एक नाम जब तीन अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम

ज्वैलरी व नगदी सहित लगभग डेढ लाख की चोरी

अमन लेखनी समाचार/निर्मित द्विवेदी

बिंदकी, फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद के कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के थाना बकेवर क्षेत्र के ग्राम शकूराबाद के एक घर में कूद कर चोर 45000 नगदी सहित लगभग डेढ़ लाख का सामान व ज्वैलरी चुरा ले गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार आज रात बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम सकूराबाद में प्रभु दयाल पुत्र श्री राम केवट के घर अज्ञात बदमाशों ने सीढ़ी लगाकर घुसने के बाद घर में रखी ज्वेलरी व 45000 नगदी लेकर फरार हो गए ।गृह स्वामिनी सावित्री देवी ने बताया कि आज रात सीढ़ी लगाकर मकान के अंदर चोरों ने प्रवेश कर घर के अंदर अलमारी व अटैची में रखी ज्वेलरी और नगदी चुरा ले गए ।चोरी की जानकारी उसे सुबह हुई । गृह स्वामिनी के अनुसार चोरी गई ज्वेलरी में दो जोड़ी पायल एक कमरबंद ,एक बिछुआ, एक अंगूठी, एक मंगलसूत्र व एक जोड़ी बृजबाला सहित नगद 45 000 रुपये चुरा ले गए । सुबह जब जानकारी हुई तो 112 नंबर पुलिस को सूचना दी गई ।थाना प्रभारी निरीक्षक कांती सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीर मिली है। मौका मुआयना कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

- गुणवत्ता पर उठाए सवाल, बोली- भाजपा सरकार सिर्फ दूसरे के कामों पर फीता काटने वाली है सरकार

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर , जौनपुर में उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय मेडिकल कॉलेज में मछली शहर की सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर निरीक्षण किया। मेडिकल कॉलेज के घटिया निर्माण पर तथा उनकी गुणवत्ता और वहां पर साफ सफाई व पानी, बिजली की व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई है। बता दे कि मेडिकल कॉलेज सिद्दीकपुर में मछली शहर की सपा विधायक रागिनी सोनकर औचक निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने मेडिकल परिसर के सभी भवन को बारी-बारी से निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले ओपीडी भवन आईपीडी परिसर छात्र-छात्राओं के हॉस्टल और कई जगह पर पानी की सप्लाई के लिए लगी टोटी टूटी मिली। जिसको लेकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई है।

मेडिकल कॉलेज के निर्माण में प्रयोग हो रहे घटिया सामग्री ईट व बालू को लेकर उन्होंने गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि आगामी विधानसभा सत्र में वह इस पर सवाल उठाएंगी तथा जांच की भी मांग करेंगी। रागिनी सोनकर संबोधित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षित डॉक्टर भी नहीं हैं, जो छात्रों को बेहतर शिक्षा दे पाए। वहीं प्रशासन और निमार्णाधीन कंपनी एक दूसरे पर आरोप लगा रही है। यदि प्रशासन से किसी विषय में जानकारी मांगी जा रही है तो वह निमार्णाधीन के ऊपर बातों को धकेल रहे हैं।

संक्षेप

गांव के दबंग से दुकानदार परेशान

शराब पीकर आएदिन करता है गाली गलौज

अमन लेखनी समाचार

भरुआ सुमेरपुर। थाना क्षेत्र के सुरौली बुजुर्ग में एक दुकानदार गांव के दबंग से परेशान है। पीड़ित ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। सुरौली बुजुर्ग निवासी उपेंद्र तिवारी ने बताया कि उसकी गांव में परचून की दुकान है। आए दिन गांव निवासी प्रेम वर्मा शराब पीकर गाली-गलौज करता है। मना करने पर झगड़ा फसाद पर आमदा हो जाता है। बताया कि बीते 9 जुलाई को गाली गलौज कर रहा था। जब उसने मना किया तो उसके बेटे भी आ गए और उसको जबरिया अपने घर पकड़ ले गए। वह बड़ी मुश्किल से उनके चुंगल से बचकर भाग आया। आरोप लगाया कि दबंग महिलाओं से फर्जी मुकदमा लगवाए जाने की धमकी देता रहता है।

मुनीम के घर से अज्ञात चोरों ने डेढ़ लाख की उड़ायी नगदी व जेवरात

पुलिस घटना को मान रही संदिग्ध

अमन लेखनी समाचार

भरुआ सुमेरपुर। कस्बे में जूनियर हाईस्कूल के नजदीक एक सब्जी विक्रेता के मुनीम के यहां अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवरात सहित 50 हजार की नगदी चुरा ले गए। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल की। कस्बे के जूनियर हाई स्कूल के पास रहने वाले मोहन गुप्ता सब्जी मंडी में मुनीमी का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार की रात जब वह परिवार के साथ नीचे वाले कमरे में सो रहे थे। तभी अज्ञात चोर गैलरी के दरवाजे से घुसकर ऊपर वाले कमरे में पहुंच गए। जहां अलमारी में रखे जेवरात व नगदी चुरा ले गए। उन्होंने बताया कि सोने के दो जोड़ी कान की झुमकी व 650 ग्राम चांदी के जेवरात के साथ 50 हजार की नगदी चुरा ले गए हैं। घटना की जानकारी सुबह जगने पर हुई तो उसने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने जांच पड़ताल की और पीड़ित से तहरीर मांगी है। लेकिन शाम तक पीड़ित ने कोई तहरीर नहीं दी है। जिससे पुलिस इस मामले को संदिग्ध मान रही है।

ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ ने दिया ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। परिषदीय विद्यालयों में डिजिटाइजेशन व्यवस्था लागू करने और आन लाइन अटेंडेंस के विरोध में शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में 10 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उपजिलाधिकारी दिग्विजय सिंह के माध्यम से प्रेषित किया। मांग पत्र में 15 सी एवं,हाफ सी एल,30 ई एल, कैशलेश चिकित्सा सुविधा,समय से पदोन्नति व स्थानान्तरण, विद्यालयों में लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति, शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति, एवं जनपद स्तरीय समस्त समस्याओं का निस्तारण कराने सम्बन्धी 10 सूत्रीय मांग पत्र का ज्ञापन सौंपा। धीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा आन लाइन उपस्थिति का फरमान, तुगलकी फरमान है, विभागीय अधिकारी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बिना जमीनी हकीकत परखे अव्यवहारिक आदेश करते रहते हैं, शिक्षकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति किये बिना आन लाइन उपस्थिति स्वीकार्य नही है।किरन शुक्ला-जिलाध्यक्ष, ने कहा विषम परिस्थितियों में भी शिक्षिकायें समय से स्कूल पहुंचती हैं,मौसम की प्रतिकूलता से कभी -कभी विलम्ब हो सकता है,जिसका कोई व्यवहारिक समाधान नही है।

अब्दुल रसीद -जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार दमनकारी नीति चलाकर डिजिटलाइजेशन/आन लाइन उपस्थिति (फेस रिकग्रिशन)की व्यवस्था केवल बेसिक शिक्षा विभाग में ही लागू की जा रही है। जिलाध्यक्ष अरविन्द त्रिपाठी ने कहा सभी संगठन एक हैं,शोषण स्वीकार्य नहीं है। मंजीत यादव ने कहा इस व्यवस्था से शिक्षक समाज स्वयं को अपमानित एवं ठगा महसूस कर रहा है। महेंद्र प्रताप मिश्र ने कहा आन लाइन उपस्थिति का पुरजोर विरोध किया जायेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से दादा सुरेन्द्र बहादुर सिंह -संरक्षक, जिलाध्यक्षों में अब्दुल रसीद, विवेक शुक्ला,महेन्द्र प्रताप मिश्र,पवन कुमार, सचिन श्रीवास्तव,अरविन्द त्रिपाठी,किरन शुक्ला,कृपा शंकर, ओमेंद्र सिंह,विजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्षों में सत्येन्द्र शुक्ला, जयराम कनौजिया,मंत्रियों में रमा कान्त मौर्य, धीरेन्द्र सिंह बघेल,राम सुमिरन चक्रवर्ती,सुमन यादव, ब्लाक अध्यक्षों में राम कुमार सिंह,सुनील सिंह, प्रवीण सिंह, डॉ शिव कुमार मौर्य, अविनाश चंद्र मौर्य, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, अकील अहमद,राम प्रताप रावत, देवेन्द्र शर्मा, धीरेन्द्र शुक्ला, असगर हुसैन, श्याम बहादुर सिंह, मंत्रियों में अतुल श्रीवास्तव, वाहिद अली, वीरेन्द्र कुमार, संतोष यादव, सतगुरु प्रसाद, बृजेन्द्र यादव, प्रदीप तिवारी, धीरेन्द्र शुक्ला, डॉ अमित पाण्डेय, इश्तियाक अहमद, दिलीप यादव, राघवेन्द्र प्रताप सिंह,अर्चना सिंह, विमलेश सिंह,शशि कुमारी सिंह, अमृता जायसवाल, शालिनी सिंह, आराधना सिंह, खुशबू, आबिदा,शशि कला,सर्वेश प्रताप सिंह सहित सैकड़ों पदाधिकारी व शिक्षक/शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ आज देगा ज्ञापन

अमेठी। आनलाइन उपस्थिति के विरोध में उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ /पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ आज ज्ञापन देगा। संगठन के जिला अध्यक्ष अब्दुल रसीद और महामंत्री रमाकांत मौर्य ने शुक्रवार को तीन बजे सभी शिक्षकों से लेखाधिकारी कार्यालय के समक्ष एकत्रित होने की अपील की है।

कोचिंग संस्थान का सपा नेता ने किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

मुसाफिरखाना, अमेठी।गुरुवार को स्थानीय कस्बा स्थित छाया द विजन कोचिंग संस्थान का सपा नेता छात्र सभा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रहे जयसिंह प्रताप यादव ने फीता काट कर शुभारंभ किया।उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने कहा कि शिक्षा के विकास से राष्ट्र की उन्नति संभव है।उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए छाया कोचिंग संस्थान के एमडी शशांक यादव को शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम में विजय यादव, अक्षय प्रताप यादव आशीष कुमार यादव मुकेश कुमार कपिल शिल्पा मानस सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई आयोजित

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आज विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा तहसील स्तर पर तहसील खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति का गठन किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। राजस्व आय बढ़ाने के लिए प्राइवेट जिम एवं तरणताल से रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जनपद अमेठी के समस्त प्राइवेट हॉस्पिटलों से ?100 अनुदान देने के लिए कहा गया है। मुख्य विकास अधिकारी की तरफ से 2100/- मुख्य चिकित्सा अधिकारी की तरफ से 1100/- आबकारी अधिकारी की तरफ से 1100/- जिला पंचायत राज अधिकारी की तरफ से 1100/- जिला विद्यालय निरीक्षक की तरफ से 1000/- प्रोत्साहन समिति कोष में देने का आश्वासन दिया गया है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का हुआ आगाज

- 11 से 31 जुलाई तक मनाया जाएगा जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा
- जन जागरूकता रैली को जिला पंचायत अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। आज विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सयुंक्त जिला चिकित्सालय गौरीगंज से जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा को लेकर निकाली गई जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पीके उपाध्याय, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राम आसरे सरोज, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम बसंत कुमार राय, जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ अर्चना श्रीवास्तव, संगिनी एवं आशा कार्यकत्री उपस्थिति रहीं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अंशुमान सिंह ने कहा कि विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा 11 से 31 जुलाई तक मनाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से लक्षित दंपत्ति को परिवार नियोजन की आवश्यकता और महत्त्व की जानकारी देने के साथ उन्हें परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के बारे में भी प्रेरित किया जाएगा और परिवार नियोजन साधनों पर जानकारी दी जायेगी। आशा द्वारा दंपत्ति संपर्क पखवाड़ा व सेवा प्रदायगी पखवाड़े में परिवार नियोजन सेवाओं से संबंधित सभी तैयारियां, आशाओं द्वारा परिवार नियोजन परामर्श पर इच्छुक लाभार्थी का मोबिलाइजेशन प्री- रजिस्ट्रेशन कर स्वास्थ्य इकाई पर परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन परामर्श दिवस पर नवविवाहित जोड़ों, एक वर्ष के अंदर उच्च जोखिम अवस्था में जिनका प्रसव हुआ है ऐसी महिलाओं, लक्षित दंपत्ति जो दो बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखना चाहते हैं, लक्षित दंपत्ति जिनका परिवार पूरा हो गया है, ऐसे लोगों को परिवार नियोजन परामर्श केंद्र में उनके अनुकूल परिवार नियोजन का साधन अपनाने के लिए विस्तृत जानकारी परिवार नियोजन सलाहकारों के द्वारा प्रदान की जाएगी।

एबीवीपी ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

अमेठी । राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् गौरीगंज नगर के कार्यकताओं द्वारा जिला अस्पताल गौरीगंज रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ । जिसमे गौरीगंज नगर के कार्यकताओं ने बड़े उत्साह के साथ रक्तदान किया और इस मौके पे जिला संयोजक ने कहा की ₹ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता अपने आयाम , कार्य और गतिविधियो के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन और उद्देशित करता रहता है। इस मौके ब्लड बैंक अधीक्षक विवेक चौधरी ने कहा कि अच्छा लगा की विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने युवाओं को रक्तदान हेतु उत्साहित किया वाकई में एबीवीपी प्रशंसा के काबिल है। इस मौके पे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् जिला संगठन मंत्री युवराज , तहसील सह संयोजक अभिषेक , अनुराग, शुभम मिश्रा , सचिन , उद्देश्य सहित अन्य कार्यकताओं ने रक्तदान किया ।

इनामिया व गैंगस्टर के आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मुसाफिरखाना, अमेठी। अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे धर पकड़ अभियान के क्रम में कोतवाली पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर विभिन्न धाराओं में वांछित चल रहे इनामिया व गैंगस्टर के आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह के निर्देशन में उपनिरीक्षक हेम नारायण सिंह मय हमराही कोतवाली पुलिस के साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान धारा 157/24 भादवि व 3/25 आमर्स एक्ट में वांछित15 हजार रुपए का ईनामिया अभियुक्त वशीर खान पुत्र मोबीन खान निवासी भद्दौर थाना कोतवाली मुसाफिरखाना रेलवे क्रासिंग दादरा रोड से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा। गिरफ्तार किये गए अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा व दो जिन्दा कारतूस भी बरामद हुए।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी 15 हजार का इनामिया व गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहा था।

चकबंदी कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित

अमेठी। गुरुवार को शिव मंदिर सरायखेमा में चकबंदी कमेटी के सदस्यों के साथ ग्राम पंचायत के लोगों की खुली बैठक हुई। बैठक में चकबंदी प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग की गई। बैठक में बाद लोगों ने संयुक्त हस्ताक्षरित प्रार्थना पत्र चकबंदी अधिकारी और बन्दोबस्त अधिकारी को दिया है। सरायखेमा गांव के लोगों का कहना है कि चकबंदी से किसानों का भारी नुक्सान होगा, इसलिए चकबंदी को स्थगित कर दिया जाय। बैठक में चकबंदी कमेटी के अध्यक्ष ग्राम प्रधान राम मनोहर कश्यप, सदस्य मोहन लाल, सुरेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, गंगा राम कश्यप , मुंशी लाल चौहान सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्म के दोषी विकास प्रजापति को हुई उम्रकैद

- दो लाख रुपए अर्थदंड, न देने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी
- अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख 40 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी
- दो वर्ष पूर्व 15 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का मामला

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दो वर्ष पूर्व 15 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी विकास प्रजापति को उम्रकैद एवं दो लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख 40 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने करमा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी जो कक्षा 8 में पढ़ती थी को 3 मई 2022 की रात 11 बजे जब वह बारात देखकर लौट रही थी तभी रास्ते में नाबालिग बेटी को खेत मे ले गए और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। जब बारात देखकर कुछ महिलाओं को आते हुए देखा तो छोड़ कर दोनों भाग गए। बेटी घर आकर अपनी मां से घटना की सारी बात बताई। गरीब होने एवं लोक लाज की डर से किसी को नहीं बताया। जब गांव घर मे चर्चा होने लगी तब 112 नम्बर पुलिस को फोन से सूचना देकर बुलाया। उसके बाद 6 मई 2022 को करमा थाने में दी तहरीर पर पुलिस ने सामूहिक बलात्कार , एससी/एसटी एक्ट और पाक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। दौरान विवेचना विवेचक ने बयान लेने के बाद पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में सामूहिक दुष्कर्म , एससी/एसटी एक्ट और पाक्सो एक्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। किंतु रिंकू प्रजापति की उम्र 18 वर्ष से कम होने की वजह से उसकी पत्रावली किशोर न्याय बोर्ड भेज दी गई।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी विकास प्रजापति को उम्रकैद एवं दो लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख 40 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

बच्चो के सुरक्षा एवं संरक्षण के विषय पर की गयी चर्चा

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र! पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र के सभागार में पुलिस महानिदेशक, महिला सम्मान प्रकोष्ठ, उ0प्र0, लखनऊ के आदेश व पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में एसजेपीयू एवं एएचटी की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवननाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न की गई। उक्त बैठक में पास्को एक्ट के मुकदमों में पीड़िता को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने व पास्को के मामलों में प्रारूप क व प्रारूप ख भरने तथा किशोर न्याय बोर्ड से निर्गत सम्मन की तमिला, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी/ विवेचक के समक्ष आ रही समस्याएं , बालश्रम व बाल विवाह की रोकथाम आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सदर/कार्यालय, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, सदस्य बाल कल्याण समिति, जिला प्रोवेशन कार्यालय, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग से श्रम प्रवर्तन अधिकारी, चाइल्ड लाइन, बाल गृह बालिका , वन स्टॉप सेन्टर थाना एएचटी, एसजेपीयू व सभी थाने के बाल कल्याण अधिकारी तथा हेड मुहर्रिर/ कांस्टेबल मुहर्रिर उपस्थित रहे।

चोरी का खुलासा के लिए एसडीएम को दिया शिकायत पत्र

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। संग्रामपुर थाना क्षेत्र के कंसापुर गांव में 26/27जून को हुई बड़ी चोरी का खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। पीड़ित ने एस डी एम को प्रार्थना पत्र देकर चोरी के खुलासे का अनुरोध किया है।संतोष सिंह पुत्र हरदेव सिंह , निवासी कंसापुर के घर 26/27जून की रात चोरी हुई थी।चोर घर से सारे जेवरात उठा ले गए थे। 27जून को थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी।दो सप्ताह से अधिक का समय बीत रहा है, पुलिस अभी तक चोरों को नहीं पकड़ पाई है।

खंभे में उतर रहे करंट से भैंस की मौत

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। थाना क्षेत्र के पंधरी गांव में खंभे में उतर रहे करंट की चपेट में आकर एक भैंस की मौत हो गई। पीड़िता ने बिजली विभाग के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पंधरी गांव निवासी सीमा वर्मा पत्नी बिन्दा प्रसाद ने बताया कि बुधवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी भैंस को चराने के लिए खेतों में ले जा रही थी। तभी घर के पास लगे खंभे में उतर रहे करंट की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। पीड़िता ने बिजली विभाग के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज कराया है।

शिवरतनगंज पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 10.07.2024 को श्री सच्चिदानन्द राय प्रभारी निरीक्षक थाना शिवरतनगंज मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मु0अ0सं0 104/24 धारा 109,118(1),131 बी0एन0एस0 थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी में वांछित अभियुक्त कैलाश पुत्र रामकृपाल निवासी ग्राम पूरे ठकुराइन मजरे पन्हौना थाना शिवरतनंज जनपद अमेठी को खारा मोड़ के पास से समय करीब 07.50 बजे शाम को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की निशानदेही पर मारपीट की घटना में प्रयुक्त एक अदद कुल्हाड़ी बरामद किया गया । थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

बच्चों में प्रतिभा प्रोत्साहन को अमेठी प्रतिभा खोज और ज्ञान कुम्भ कार्यक्रम कराएगा बेसिक शिक्षा विभाग

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच प्रतिभा पहचान, प्रोत्साहन एवं समर्थन, सर्वांगीण विकास , विद्यालय में नियमित उपस्थिति और आत्मविश्वास में वृद्धि को बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से 432प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालयों और 13कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में अमेठी प्रतिभा खोज और ज्ञान कुम्भ कार्यक्रम आयोजित कराएगा। सभी कार्यक्रम न्याय पंचायत स्तर से जिला स्तर तक आयोजित किए जाएंगे।

न्याय पंचायत स्तर पर कविता, भाषण,गायन, नृत्य, निबंध लेखन और पेंटिंग की प्रतियोगिताएं 20जुलाई को, ब्लॉक स्तर पर 30जुलाई को, तहसील स्तर पर 5अगस्त को और जिला स्तर पर 12अगस्त को आयोजित कराई जाएंगी। खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार यादव ने बताया कि अमेठी प्रतिभा खोज कार्यक्रम के साथ 25जुलाई से 3सितम्बर तक ज्ञान कुम्भ आयोजित किया जाएगा ?इसके अंतर्गत क्विज जस्ट ए मिनट, निबंध लेखन, वाद-विवाद, पेंटिंग और माडल प्रदर्शन की गतिविधियां आयोजित कराई जाएंगी। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अच्छा प्रदर्शन और प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं और विद्यालयों को ब्लाक संसाधन केंद्र की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

दहेज लेना या देना या दहेज के लिए उकसाना अपराध है- अनिल कुमार

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्य ने सर्वसाधारण को सूचित करते हुए बताया है कि दहेज लेना या देना या दहेज के लिए उकसाना दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 के अन्तर्गत अपराध है, जिसके लिये 05 वर्ष तक की कैद अथवा 15000/- रू० या दहेज की रकम, जो भी अधिक हो, का जुमार्ने का प्राविधान है। प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दहेज की मांग पर छः माह से दो वर्ष तक की जेल तथा 10000/- रू० जुमार्ने का प्राविधान है। विवाह के उपरान्त दोनों पक्षों द्वारा दिये गये उपहार की हस्ताक्षरित सूची एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी / जिला प्रोबेशन अधिकारी जनपद अमेठी के कार्यालय में प्रस्तुत की जायेगी। जनपद में दहेज से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत हेतु जनपद के दहेज प्रतिषेध अधिकारी/जिला प्रोबेशन अधिकारी निकट रेलवे स्टेशन शिव महेश शैक्षिक संस्थान गौरीगंज जनपद अमेठी तथा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टाप सेन्टर गौरीगंज जनपद अमेठी सम्पर्क नं0-9565166009 तथा महिला हेल्प लाइन नं0-181 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त स्थानीय पुलिस थाने अथवा पुलिस हेल्प लाइन नम्बर 112 पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

रोहित शेट्टी ने साझा की जैकी श्रॉफ के साथ प्यारी तस्वीर...

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी एक बार फिर अपनी लोकप्रिय सिंघम फ्रेंचाइजी के साथ वापस आ रहे हैं। अजय देवगन सहित कई बड़े सितारों वाली ये फिल्म इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रोहित शेट्टी ने 10 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में वह दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ नजर आ रहे हैं। वह काला चश्मा लगाए और काली शर्ट पहने अभिनेता के पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। इस दौरान रोहित ने जेब में वॉकी टॉकी भी रखा हुआ है। वहीं, जैकी श्रॉफ डेनिम जैकेट में काला चश्मा लगाए काफी स्टाइलिश लग रहे हैं।

लाइफ Style

कैटरीना

जर्मनी की वादियों का ले रही हैं आनंद

एजेंसी ⏭ मुंबई

मशहूर बॉलीवुड कलाकार कैटरीना कैफ और विक्की कौशल हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय कपल हैं। फैंस इन दोनों पति-पत्नी की जोड़ी को काफी पसंद करते हैं। दोनों अक्सर अपने फैंस के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं।

कैटरीना आखिरी बार पर्दे पर जनवरी 2024 में रिलीज हुई फिल्म मेरी क्रिसमस में साउथ के मशहूर अभिनेता विजय सेतुपति के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से ही वह पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। इस दौरान वह सोशल मीडिया पर भी बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रही हैं। हालांकि, 10 जुलाई को उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिस पर फैंस काफी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। उनके द्वारा पोस्ट किए गए इस तस्वीर में वह पहाड़, खुला आसमान और प्रकृति की हरियाली से भरी सुंदरता के बीच खड़ी नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वह इस तस्वीर में बिना किसी मेकअप के धारीदार शर्ट और खुले बालों में नजर आ रही हैं। वह इस वक्त जर्मनी के म्यूनिख में हैं। उन्होंने इस तस्वीर को साझा करते हुए लिखा, 'गुड मॉर्निंग।' अभिनेत्री द्वारा पोस्ट साझा करते हुए उनके फैंस ने इस तस्वीर पर प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी। उनके इस पोस्ट पर फैंस काफी प्यार बरसा रहे हैं। ऐसे में कटरीना के पति विक्की भी खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने इस तस्वीर पर एक प्यारा कमेंट किया है। उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कई दिल वाले इमोजी कमेंट किया।

हॉलीवुड मसाला

'अगाथा ऑल...' का टीजर जारी

नई दिल्ली। डिज्नी की सीरीज 'अगाथा ऑल अलोंग' का टीजर ट्रेलर जारी हो गया है। कैथरीन इसमें अहम भूमिका में हैं। वह अगाथा की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज के पहले दो एपिसोड इस साल सितंबर में डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होंगे। यह इस साल की मार्वल टेलीविजन की बहु प्रतीक्षित सीरीज है। मार्वल ने इसका टीजर और ट्रेलर आधिकारिक रूप से जारी कर दिया है, जो काफी रोमांचक है। टीजर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि 'अगाथा ऑल अलोंग' हॉरर सीरीज है और हॉरर सीरीज में जो चीजें होनी चाहिए।

बिक गई लाल सिंह चड्ढा की ओरिजिनल बनाने वाली कंपनी

लॉस एंजिलिस। डेविड एलिसन की अमेरिकी प्रोडक्शन स्काईडांस मीडिया ने पैरामाउंट ग्लोबल का अधिग्रहण कर लिया है। स्काईडांस रविवार को इसका ऐलान किया और बताया कि इसके लिए वे करीब 8 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगे। कंपनी को रविवार को पैरामाउंट के निदेशक मंडल की एक विशेष समिति से मंजूरी मिली थी। इसके बाद पूरे बोर्ड ने दो-चरणीय लेन-देन की योजना को मंजूरी दी। स्काईडांस का 15 वर्षों का इतिहास है। वह मिशनः इम्पॉसिबल, ट्रांसफॉर्मर्स और टॉप गन सहित कई चर्चित फ्रेंचाइजी में पैरामाउंट के साथ साझेदार के रूप में जुड़ी रही है। स्काईडांस और पैरामाउंट ग्लोबल कई चर्चित फिल्मी प्रोजेक्ट में वित्तीय साझेदार रही हैं। पैरामाउंट ग्लोबल का आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से भी कनेक्शन है। दरअसल, 'लाल सिंह चड्ढा' जिस अमेरिकी फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' पर बनी है, उस फिल्म को पैरामाउंट ने ही बनाया है।

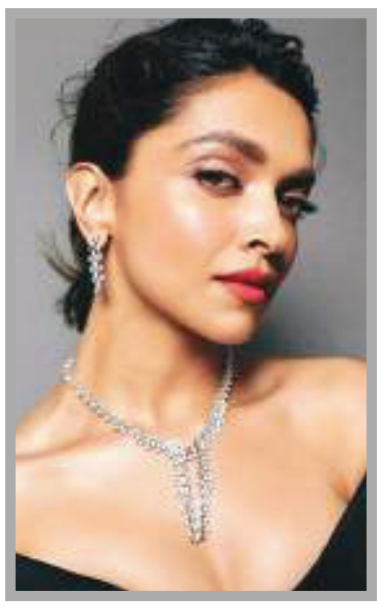

प्रकृति के करीब रहने के बताए फायदे

मुंबई। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण जिंदगी के सबसे खूबसूरत पड़ाव पर हैं। वे गर्भवती हैं। इन दिनों वे अपना खूब ख्याल रख रही हैं और अपने साथ क्वालिटी समय बिता रही हैं। दीपिका पादुकोण इस दौरान अपने शौक पूरे करने के साथ-साथ प्रकृति के करीब भी सुकून के पल बिता रही हैं। उन्होंने एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ उन्होंने लोगों को प्रकृति के बीच रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। साथ ही धूम्रपान करने वालों के लिए भी एक नसीहत दी है। तस्वीर में बादल, फूल और हरियाली का खूबसूरत नजारा कैद है। इसके साथ दीपिका ने लंबा नोट लिखा है। दीपिका ने लिखा है, 'यह सेल्फ केयर का महीना है! लेकिन, अगर आप हर दिन सेल्फ केयर की छोटी-छोटी कोशिशें करते हैं तो सिर्फ सेल्फ केयर के नाम पर एक महीना ही क्यों मनाएं?'

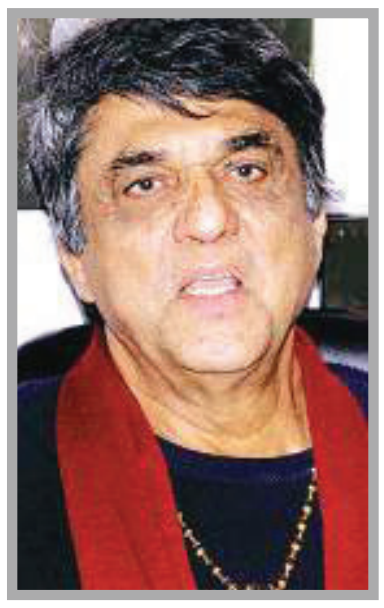

'कल्कि एडी' का मजाक उड़ाना पड़ा भारी

नई दिल्ली। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन अभिनीत इस फिल्म को देश समेत दुनियाभर के दर्शकों का प्यार मिल रहा है। वहीं, टीवी के भीष्म यानी कि मुकेश खन्ना ने फिल्म को लेकर एक बयान दिया था, जिसके बाद उनकी कड़ी आलोचना होने लगी थी। अब उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी है। मुकेश को 'कल्कि 2898 एडी' की समीक्षा में यह कहने के बाद कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा कि यह फिल्म 'पश्चिम के बुद्धिमान लोगों' के लिए बनाई गई है और ओडिशा और बिहार के लोग इसे नहीं समझ पाएंगे। हालांकि, अब उन्होंने अपना बयान स्पष्ट करते हुए कहा है कि उनका ओडिशा और बिहार के लोगों को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था।

टीवी मसाला

जुलाई के आखिरी हफ्ते में शुरू होगा 'खतरों के खिलाड़ी 14'

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी टीवी की दुनिया के सबसे पसंदीदा शो में से एक है। इस शो में कंटेस्टेंट को खतरनाक स्टंट परफॉर्म करते देखा जाता है। अब इस शो का अगला सीजन भी जल्द शुरू होने वाला है। रोहित शेट्टी के शो का सीजन 14 को दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। दर्शकों का ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। खतरों के खिलाड़ी का पहला सीजन 2008 में आया था। इस शो के रोहित शेट्टी से पहले अक्षय कुमाप, प्रियंका चोपड़ा और अर्जुन कपूर होस्ट कर सकते हैं। फिल्मी बीट की रिपोर्ट के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 जुलाई के आखिरी हफ्ते में ऑन एयर हो सकता है। इस शो को आप कलर्स टीवी और जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। बता दें, शो का शूट पूरा हो चुका है। इस बार शो रोमानिया में शूट किया गया है। खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 में बिग बॉस सीजन 16 के शालीन भनोट, निमृत कौर, बिग बॉस सीजन 17 के अभिषेक कुमार, बिग बॉस सीजन 11 की शिल्पा शिंदे, बिग बॉस सीजन 13 के आसिम रियाज, गश्मीर महाजनी, करण वीर मेहरा, आशीष मल्होत्रा, सुमोना चक्रवर्ती, अदिति शर्मा, नियति फतनानी और टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ नजर आएंगी।

बिग बॉस के घर में डीप नेक कपड़े नहीं पहनेंगी कृतिका!

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 में विशाल, कृतिका और अरमान का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब यूट्यूबर कृतिका मलिक विशाल पांडे से दूरी बनाती हुई दिख रही हैं। हाल ही में अरमान की पहली पत्नी पायल ने विशाल पर आरोप लगाया था कि उसने कृतिका के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की है। अब कृतिका ने खुलासा किया है कि उन्होंने विशाल की वजह से घर में लो नेकलाइन के कपड़े पहनने से परहेज कर रही हैं। उन्होंने अपने लो नेकलाइन आउटफिट को अलग रख दिया और घर के अंदर उन्हें नहीं पहनेंगी। वहीं , विशाल के बारे में बात करते हुए कृतिका ने कहा, 'जब तू इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर आकर उसके कान में बोल सकता है, तो तू बाहर कैसा इंसान होगा? तू एक भाई, बहन, एक दोस्त के रिश्ते को खराब कर रहा है भाई।

'सरफिरा' की एडवांस बुकिंग में हालत खराब, 'इंडियन 2' की तगड़ी कमाई

मुंबई। बड़े मियां छोटे मियां के फ्लॉप होने के बाद अब अक्षय कुमार इस साल की अपनी अगली फिल्म थिएटर्स में लाने के लिए तैयार है। उनकी एडवेंचर फिल्म 'सरफिरा' 12 जुलाई को पर्दे पर दस्तक देगी। फिल्म की रिलीज से पहले उसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। लेकिन फिल्म कुछ खास कमाती नजर नहीं आ रही है। रिपोर्ट पर नजर डालें तो 'सरफिरा' ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग के लिए अब तक 7 लाख रुपए से ज्यादा कमाए हैं। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म ने अब तक 3, 939 टिकट बेचे हैं और इसी के साथ कुल 7.23 लाख रुपए का कारोबार किया है। 'सरफिरा' में अक्षय कुमार के साथ राधिका मदान बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी। फिल्म का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' के साथ होने वाला है। कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रही है और अब ये 12 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार है।

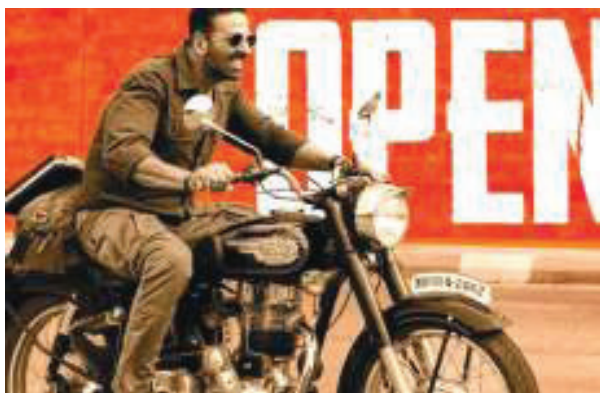

वकील का किरदार निभा कोर्ट रूम में की दमदार बहस, वर्षों बाद भी लोगों को याद है डायलॉग

नई दिल्ली। न्यायपालिका का सबसे अहम भाग हैं वकील। वकील ही हैं जो कोर्ट रूम में बहस करके बेगुनाहों को सजा से बचाते हैं और वकील ही हैं जो अपराधियों को सजा दिलाते हैं। बॉलीवुड ने अपनी कई फिल्मों के माध्यम से वकीलों की जिंदगी और उनकी कार्यप्रणाली को दर्शाया है। हिंदी सिनेमा ने शुरू से ही वकीलों के मजबूत किरदार फिल्मों में गढ़े हैं। आज हम उन सितारों की बात करेंगे जिन्होंने फिल्मों में वकील की भूमिका निभाई है।

अमिताभ बच्चन : साल 2016 में आई फिल्म 'पिंक' में अमिताभ बच्चन ने वकील की दमदार भूमिका निभाई है। फिल्म में उन्होंने 'एडवोकेट दीपक' का किरदार निभाया है। इस फिल्म में वह अन्याय के खिलाफ लड़ते हुए दिखाई दिए हैं। हमेशा की तरह अपने अभिनय के लिए उन्हें खूब सराहना मिली।

करीना कपूर खान : बॉलीवुड की 'बेबो'यानी करीना कपूर खान भी वकील की भूमिका निभा चुकी हैं। फिल्म 'ऐतराज' में वह अपने पति को बचाने के लिए वकील बनी थीं। फिल्म में करीना ने जोरदार बहस की थी और अपने पति को गलत इल्जाम से बचा लिया था।

सनी देओल : सनी देओल की फिल्म 'दामिनी'तो याद ही होगी आप सबको, इस फिल्म में वकील की भूमिका में सनी देओल ने धमाल मचा दिया था। कोर्ट रूम में बोला गया सनी देओल का डायलॉग आज भी लोगों को याद है। सनी देओल के प्रशंसक इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर छह महीने से हैं सूखे के हालात

बारिश की फुहार बनकर आई है 'कल्कि 2898 एडी'

मुंबई। पिछले छह महीने से बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस पर सूखे वाले हालात हैं। इस सूखे में 'कल्कि 2898 एडी' बारिश की फुहार सी बनकर आई है। यूं तो मूल रूप से यह बॉलीवुड की फिल्म नहीं है। लेकिन, इसमें बॉलीवुड के बड़े सितारे जरूर हैं। पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हुई इस फिल्म का हिंदी वर्जन ठीकठाक है। हालांकि, हिंदी पट्टी में भी यह फिल्म जैसा प्रदर्शन कर रही है, क्रिटिक्स उसे भी संतोषजनक नहीं मानते है और उनके मुताबिक इसकी अपनी वजह हैं। ता वर्ष 2023 बॉलीवुड के लिए काफी शानदार रहा। पहले ही महीने में शाहरुख खान की 'पठान' के साथ जबर्दस्त बोहनी हुई और फिर यह सिलसिला चला तो चलता ही गया। आखिरी महीने में रणबीर कपूर की 'एनिमल' तक बॉक्स ऑफिस पर दहाड़ बरकरार रही। लेकिन, तुलनात्मक रूप से देखें तो यह साल कुछ नीरस सा है। 2024 के छह महीने ऐसे ही बीत गए और सातवां महीना भी बस बीत ही रहा है। कोई ऐसी फिल्म नहीं आई, जिसने धमाका किया हो। हालांकि, बॉलीवुड में अब तक रिलीज हुई फिल्मों में 'कल्कि 2898 एडी' का हिंदी वर्जन ही कुछ ठीकठाक जाता दिख रहा है। कुछ क्रिटिक्स का मानना है कि निर्माताओं की प्रमोशन रणनीति बेहतर होती तो हिंदी पट्टी में फिल्म और कमाल कर सकती थी।

ट्रेड विशेषज्ञों का कहना है कि बीते छह माह बॉलीवुड के लिए काफी बुरे रहे हैं। ऐसे में 'कल्कि' के हिंदी डब वर्जन ने लाज बचाई है। अमिताभ बच्चन, प्रभास, कमल हासन और दीपिका पादुकोण

अभिनीत इस फिल्म के हिंदी डब वर्जन से हिंदी पट्टी में 300 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की उम्मीद है। कुल मिलाकर, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी फिल्म ने अब तक वर्ल्डवाइड कुल 900 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। बता दें कि 'कल्कि 2898 एडी' मुख्य रूप से तेलुगु फिल्म है। हालांकि, क्रिटिक्स का ये भी मानना है कि अगर निर्माताओं ने प्रमोशन रणनीति ठीक बनाई होती तो हिंदी पट्टी में 'कल्कि' और बेहतर कर सकती थी।

इस साल रिलीज हुई बॉलीवुड की अन्य फिल्मों का हाल काफी निराशाजनकर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक अजय देवगन की 'मैदान' करीब 235 करोड़ रुपए में बनाई गई, लेकिन इसने भारत में सिर्फ 63 करोड़ रुपए कमाए हैं। वहीं, 'बड़े मियां छोटे मियां' को 350 करोड़ रुपए में बनाया गया, लेकिन यह सिर्फ 110 करोड़ का ही कारोबार कर पाई। करीब 55 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'योद्धा' भी कमाई में 42 करोड़ रुपए पर सिमट कर रह गई। हालांकि, अजय देवगन और आर माधवन की 'शैतान' ने जरूर 147 करोड़ रुपए की कमाई के साथ कुछ बेहतर किया। इसी तरह राजकुमार राव की 'श्रीकांत' ने भी 47 करोड़ रुपए कमाए।

बॉक्स ऑफिस पर इस साल रिलीज हुई मेगा बजट फिल्में 'बड़े मियां छोटे मियां', 'योद्धा' और 'मैदान' जैसी फिल्में असफल रही हैं। ऐसे में इंडस्ट्री के ट्रेड विशेषज्ञ मानते हैं 'कल्कि 2898 एडी' के हिंदी संस्करण की सफलता को इस साल इंडस्ट्री में अंधेरे में एक रोशनी की किरण मान रहे हैं। इंडस्ट्री के छह महीने के रिपोर्ट कार्ड के अनुसार हिंदी सिनेमा एग्जिबिशन सेक्टर का कारोबार 20-30 प्रतिशत कम हुआ है।

'अल्फा' के सेट पर स्पॉट हुईं आलिया

मुंबई। अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब अभिनेत्री को फिल्म के सेट पर स्पॉट किया गया है। सामने आई तस्वीरों में अभिनेत्री कड़ी सुरक्षा वाले सेट से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। अभिनेत्री ने सफेद और नीले रंग की ड्रेस पहन रखी है। हालांकि, तस्वीर में अभिनेत्री का जो लुक दिख रहा है वह उनकी फिल्म का नहीं है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा'में आलिया मुख्य भूमिका निभा रही हैं। आलिया भट्ट को पहली महिला प्रधान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म में मुख्य भूमिका में कास्ट किया गया है। वह इस फिल्म में एक सुपर एजेंट की भूमिका निभा रही हैं। इसका निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं। शिव रवैल ने इससे पहले नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रेलवे मेन'का निर्देशन किया था, जो भोपाल गैस त्रासदी की घटनाओं से प्रेरित थी।